

॥ श्री ॥

🕸 त्र्रथ त्रानुक्रमणिका 😵

क्यर		नाम			पाना
Ę	महसाबरप	***	•••	•••	
२	पमोकार सामापक है	णे की पारी	तथा चोवी	स्रो	Я
ş	सामायक पारणे की			दना	•
ß	बारासी हस योनि त	ाया चोपीस	जिन नाम	•••	£
4	पद्यांस दोल को धोव	.ड़ो	•••	***	3.5
Ę	हित शिक्षा के पद्योस	योल	***	***	36
6	पाना फ ी चरचा	***	***	•••	23
4	तेरा द्वार	•••	***	***	63
£	यादन दोल की थोक	हो	***	***	103
ξe	जापपदा का २५ दो		•••	***	151
Ų	देव गुरु धर्म की संह	रेर सोलयना	***	***	₹ ₹₹
१२	-	•••	***	***	181
£ 3			•••	•••	155
18			3	***	१डर
१५			***	•••	₹\$₹
ţŧ					3,13
įs		रपदी इत प्र	ाणी सनकित	उ कि.पा	
_	विधि पार्र र		•••		च्ह€
10				निरिपात्री	306
15			•••	•••	₹३६
₹:			ा स्तरम	***	£\$3
	गडागडिको धोक	-	***	***	સ્યુષ
¥:	*		***	***	7.16
4	र गर्मा गुप महिना ।	लाइनम			***



॥ मंगलाचरगाम् ॥

ॐ नमो परिष्टना सिद्ध, पाचारज उनसाय। साधु सकल की चरवकूं, बन्दूं भीभ नमाय॥१॥ महा मन्त ए शृह जपूं. प्रात समय सुखनार । विषम मिटे संकट कटै, वस्तै जय जयकार॥ २॥ चुमरुं श्री भिचु राम, प्रवच दुिंब भंडार । तासु प्रसादे पासिये, समक्तित रतन उदार॥ ३॥

टाल (चाल नाटक की)

सुन पारे तूं ध्यारे जीवा डाल गरिन्य गुम गारे । दरेशी ह स्थन का प्रवन का प्यारं पड़ी सान थीं जिन का। जांकड़ी म

विन पढ़ियां चए घड़िया टोला, फ़ुन पण्न सम षन बन का॥ धारे पढ़ो ज्ञान घो जिन का॥ १॥

सम्बन् ज्ञान पद्यां वी प्रगटै सिटे सान्ति सद सन का॥ प्यारे पढ़ों ॥ २॥

तत्व पदार्य ६२ चीलाई, गागी होय प्राप्तन का ा घारे पड़ो_{ं ।} हा

काच बनाहि मिद्यातम निशिवत्, भव ज्ञानाहित दिन का॥ चारे पही ।॥ ४॥

पाप पेल पर भेल ब्रेश पणु, धे खेल खेल बचपन का॥ प्यारे पटो•॥ ५॥

शी कान् गणिराज प्रसादे (कहै) गुलाब आव परायन का ॥ प्यारं पदों ।॥ ६॥

॥ ग्रथ श्री भिज्ञु स्मरग्रा ॥ दर्श देख जीन को बीचार मयो राजी ॥ प्रदेशी ॥ थी किश समीर किश समीर किश समीर माई ध निशु नाम टाम २ त्व में कहाई। थी निशु स य नाकड़ी स चाले सुध मंग्रम पाल । टाप वयांनीम टाल । भिष्ठा सं नित्रर भान । जिनन्द में फरमाई प्रशीपश तेंड भित्र नाम धार। चदतरे ए पश्चम चार। काम कटेंब छार। गिव राइका बताई ॥श्री॥२॥ दया धन्त्रम्या ठीक। कियां गिव गति नजीक। एक जिन धर्म सालान कर धुरताई स्थी हर द्या द्या मूल प्रकार । न कर दिन्सा प्रचार । बाह राग मात्र टार । चात्र गुल खबाई nबीवश्व थमं विव पाव माय । बटावि न बादा याय। ना भव प ट्रन माय। सम्भ या वडाई अयोवध्य पमदम अतिय श्रीय । वाहिया विस् धम देवि। सदम सु मान माय । विभावा में ठकुराई अयोग्रह

कुपाव कुखेव जिम । पोख्यां हुवै धर्म फिम ।
सुपाव में राख पेम । निर्देषण वहिराई ॥ही॥०॥
पागम प्रमुक्ता देख । इत्यादिक पाद्यों लिख ।
वत धर्म प्रवत शेष । सुगम एक जताई ॥ही॥०॥
पद्य वत संयम भार । पानन प्रनावन उदार ।
देव गुरु धर्म सार : रत की मभाई ॥ही॥८॥
शुद्ध प्रद्यवन जेक । सुगुरु विनय वरत तेक ।
प्रमुक्त नरी रो कदेक । सुफल रो पदाई ॥दी॥१०॥
प्रमुक्त नरी रो कदेक । सुफल रो पदाई ॥दी॥१०॥
प्रमुक्त नरी रो कदेक । सुफल रो पदाई ॥दी॥१०॥
प्रमुक्त नरी रो कदेक । सुफल रो पदाई ॥दी॥१०॥
प्रमुक्त करमें गताय । निक्र गुन की बदे पाद ।



ें॥ श्री ॥

चनी चरिहलाणं। यनी मिहाणं। यनी चार्याः याणं। यनी उरक्तायाणं। यनी लीए मळ्यमाझणं ॥१॥

॥ ग्रथ सामायक लेगो की पाटी ॥

करीन भंति सामाइयं मायकां कीर्यं पच कर्तान जाव नियमं (मृह्नते एक) पच्चवामानि टुविड तिवि-इंग मणेशं यायायं कायाए न करीन न कारवीन तक्ता भंति पश्चिकमानि निन्दानि गरिडानि चप्पाणं वीमगानि ॥ इति ॥

॥ ग्रथ चाँवसिथो की पाटियां ॥

इच्छामि प्रविक्षमित्र इतिया विश्वयाप विराहणाय गम्यागमने पायक्षमण योग्रक्षमण इतिवक्षमण उमा-जिन्द्र प्रयादिया प्रमित्वय विष्ट्रिया ते इन्द्रिया यज्ञ-क्षेत्र वार्षिया प्रमित्वय विष्ट्रिया ते इन्द्रिया यज्ञ-क्ष्या विज्ञित्या चीमश्चा विल्लामिया महा-क्ष्या स्वाद्या विद्या विल्लामिया उह्रिया ठाषा उट्टाच मंद्रामिया क्षेत्रियाज । व्यशेतिया गम्म मिन्द्रामि टक्टं इ

॥ ग्रथ तस्सुत्तरी ॥

तस्त्रोत्तरी करणेणं, पायच्छित करणेणं, विसीही करणेणं, विसही करणेणं, पावाणं कम्माणं विरवाय पट्टाए, ठामि करिम काउसरगं, पणरघ उससिएणं, नीससिएणं, खासिएणं, हीएणं, कमाइएणं, उडुएणं, वाय निसगीणं, भमिलये पित्तमुच्छाए, सुदुमेहिं चहु मञ्चालेहिं, सुदुमेहिं खेल संवालेहिं, सुदुमेहिं दिट्टिसंवालेहिं, एव माइएहिं. चागारिहं चमरगो, चितराहिड इच्हमें काउसरगो, बाव चरिष्टनाणं भगवनाणं, नमो कारेणं नपारिम, तावकारं, ठापेणं, मोणेणं, भाषेणं चणाणं, वीसरामि॥

ध्यानमें ॥ इक्कामि पडिङ्गमिउ की पार्टी मन में गुषकर एक नमीकर गुष के पारचियो।

॥ ग्रथ लोगस्स की पाटी ॥

मोगम उन्होपगरे, धकातिन्यवरेतिये परिहन्ते कित्तद्रमः चडवीमंगि केवली हु १ ह उम्ममनीपं च बन्दे, सक्षव मामग्रद्रपं च, मुमद्रं च पडमप्पहमुणमं बिएं च चन्द्रपाहं बन्दे हु २ ह मुविश्चं च पुर्फदन्तं, सीयल सिन्हां स वासुप्रकृष्ट्, विमलस्पन्तं च बिएं मपन सक्तय मळावाह मपुषरावित्ति सिद्धिगद्र नाम षेयं ठापं सम्प्रताणं नमो जिलाणं ।

॥ सामायक पारगो की पाटी ॥

नवमा सामायक व्रत के विषे च्यो कोई पितचार दोष लागो इवे ते पालोक सामायक पप पूरी पारी होय, पारवी विसाखी होय, मन वचन काया का जोग माठा प्रवरताया होय, सामायक में राजक्या, देश कथा, स्ती कथा, मत्त कथा, करी होय तक्ष मिच्छामि टुक्क ।

॥ त्रथ तिक्खुत्ता की पार्टी ॥

् तिक्तुत्ती भयाष्टीयं पयाष्टीयं वन्दामि नमंसामि सकारीमि सम्माणेमि जल्लायं मङ्गलं देवयं चेवयं पत्रमु वासामि मत्येय वन्दामि ।

॥ ऋथ पंचपद् वन्द्ना ॥

पहिते पर श्री सीमंधर स्वामी चादि देई तथन्य र॰ (वीस) तीर्यक्षर देवाधिदेवजी उत्कृष्टा १६० (एकसहसाठ) तीर्यक्षर देवाधिदेवजी पञ्चमहाविदेश खेवां की विधे विचरे है चनना ज्ञान का घणी चनना दर्भप का घणी चनना वल का घणी एक हजार घाठ खबरा का धारपहार चीसठ इन्द्रों का पूजनीक,



भाचार पाले पलावे ज्यां उत्तम पुरुषां से मांहरी वन्द्रना तिक्क्ष्ता का पाठ से मालूम होज्यो।

पञ्चमें पट मांइरा धर्म याचारज गुरु पूज्य श्री श्री श्री १०८ श्री श्री तुलसीरामजी खासी (वर्त्तमान पाचारज को नाम लेगो) जघन्य दीय इजार कीड साधु साध्वी उत्तुष्टा नव इजार कोड् साधु साध्वी चढाई हीप पन्दरै खेवां में विचरे है ते महा उत्तम पुरुष कीहवा के, पञ्च महाब्रत का पालपहार, इव काया ना पीहर, पञ्च सुमति सुमता, तीन गुप्ति गुप्ता, वारै भेट्रे तपस्या का करपहार, सतरे भेदे संजम का पालपहार, वाबीस परीषहका जीतपहार वयालीस दोष ठाल पाहार पापी का लेक्पहार. बाक्न भवाचार का ठालवहार, सताबीस गुण संयुक्त, निलोंभी, निरलालची, सचित्र का त्यागी, पवित्त का भीगी, संसार से पूठा, मीच से स्हामां. पखारी लागो वैरागी, तेडिया पावै नहीं, नीतियां जीमें नहीं, वायरा नी परे अप्रतिवस्य विहारी इसा महापुरुषां से मांहरी वन्दना तिक्तुता का पाठ से मालुम होच्यो।

॥ अथ चौरासो टाख योनि ॥

 शाख पृष्वीकाय ० लाख प्रप्यकाय ० लाख तेडकाय ० लाख वायुकाय १० लाख प्रत्येक वनम्पति काय १४ लाख माधारण यनम्पति काय २ लाख देन्द्रें २ लाख तेन्द्री २ लाख चीन्द्री ४ लाख नारको ४ लाख टेबता ४ लाख तिर्थेच पंचेन्द्री १४ लाख मनुष्य की जाति ए च्यार गति, चौरामी लाख जीव योनि से वारस्वार खमत खामना दोक्यों।

॥ अथ चौबोस तीर्थङ्करों

६ कट्टा ० मातवां

= -

इन्दरमां हो हेदांमनाद सामीदी । 5 3 दान्सी की वासुप्रकार खामीकी। 50 देरमां की दिस्तनाव सामोबी। 33 १९ | चीडमां की पननाराय सामीदी ! प्तानां सी धर्मनाय सामीबी। 3.5 मीदमां दी शासिनाद सामीदी। 3 = १० सतामां की कंदनाय लामीकी। १८ प्रहारमां की परनाय खासीकी। १८ जारीमनो की महिनाय खासीको। दीनमां की स्निम्द्रतनाष सामीकी। ₹ ₹ इक्दोसमां को नमिनाव स्तामोकी। ₹5 बारीमनां सी परिष्ठतेननाय सामीकी। ==

इ. तैदीमसं घीराज्येताय सामीजी।
 चीदीममं घी व्हेमान सामीजी।

॥ पद्योस बोल ॥

१ पहरी दोड़े गति चार ४ ं नरकरति १ विदेदगति २ समुख्यति ६ देवगति ४ ९ दुके दोटे चाति संदर्भ

एरेट्री, देहती, देहती, परेट्री



सत्य मन जीग १ चसत्य मन जीग २ मिश्र मन जीग ३ व्यवहार मन जीग ४

४ च्यार वचन का मत्य भाषा १ पमत्य भाषा २ मित्र भाषा २ व्यवहार भाषा ४

 काया का
 भीदारिक १ भादारिक सिम्न २ वैक्रिय ३
 वैक्रिय को सिम्न ४ भाहारिक ५ भाहारिक सिम्न ६ कार्मण जीग ०

८ नवसें बोली उपयोग वाग्ह १२

पांच ज्ञान
 सित ज्ञान १ युति ज्ञान २ भविभ ज्ञान ३
 सन पर्यव ज्ञान १ किवल ज्ञान ५

इतीन पत्तान सित पत्तान १ युति यज्ञान २ दिसङ् पत्तान ३

१ चार दर्शन चबुदर्शन १ पचबुदर्शन २ पदि दर्शन ३ स्वेत्र दर्शन ४

 १० दममें वोचे कर्म चाठ प्र ज्ञानावररी कर्म १ दर्भनावरषो कर्म २ वेदनी



कालो १ पोलो २ नीलो ३ रातो ४ घोलो ५ घाणइन्द्री की दोय विषय मगस १ दर्गस २ रसदन्दी की पांच विषय खट्टो, १ मीठो २ कड़को ३ कसायलो ४ तीखी ५ रपर्श दुन्द्रों की पाठ विषय इलको १ भाग २ खरदगे ३ सुझालो ४ ल्खी ५ विक्षणं ६ ठणडो ० उन्हो ८ १३ तेरमें वोले दश प्रकार की मिखात्व १ जीवने चजीव सरदृह ते मिखान्व २ अजीवने जीव सरदह ते सिखात्व ३ धर्मने चधर्म सरदह ते मिळात्व ४ चधर्मने धर्मे सरदह ते मिखाल माध्ने प्रमाध् मरदृष्ट् ते मिळाल ६ पसाधनें साधु सरदृह ते मिळाल ७ मार्गनें कुमार्ग सरदह ते मियाल ८ कुमार्गने मार्ग सरद्रह ते मिळाल ८ मोज गयाने चमोच गयो सरदह ते मिखाल १० प्रमीत गयाने मोत्त गयो सरदह ते मिखाल १४ चीट्में बीले नव तत्व जायपयी तींका ११५ एक सौ पन्तरा बोल

स्टल्हेचे को स्था

म्बर रहिन्दी का उत्त सेंड

र परिलो अपनाति - दूसरी पर्वापी

क्लाक विक्रिक्टी का जीव मेंद क नीकी क्लावाजी व कीवा वर्णाती

वैक्क्षे भा दीन भट

मोचल भवपाती : हरी प्यांती
 नैवन्दी का दाय लेड

्रभागम् अप्रवृत्ति - आरम्भप्रवृत्ति अदिन्दी का दृष्य सद

વાશ્વ∷ માં રાય મર - વચ્ચે થળવીલા ⊢ કશ્યને ક્વીલી

भिन्नते चयुन्दर्भ सा द्वाप सद र व्यवस्थारसं भाषासार १० व्यवस्था स्वीतः

भन्नो पञ्चनदी का उप्यानक

रक्ष्मीरका भारति । वा राज्यक्षा का भौति भाषाचालाः सट

चन्नाचित्राय का वस्त

क्तम, दग, प्रदेश

षनसांक्ष कायणा ३ सड ---

लग दम, प्रदेग

षाकामासि कायका ३ सेद

खस, देश प्रदेश काल को दशमूं भेद (ये दश भेद परुषी हैं) पुद्रलाम्तिकाय का खार भेद— खस्य, देश, प्रदेश, परमागा

र पुन्य नव प्रकार

पत्नपुत्ते १ पाषपुत्ते २ लेषपुत्ते ० ३ सयषपुत्ते ‡ ४ थन्यपुत्ते ५ मनपुत्ते ६ वचनपुत्ते ० कायापुत्ते ८ नमस्तार पुत्ते ८

१८ पाप घठारे प्रकार-

प्रावातियात १ स्वाबाद + २ षदत्तादान ३ मैंघुन ४ परियह ५ की व ६ मान ० मादा = सोभ ८ राग १० देव ११ कल ह १२ घम्याख्यान १६ वेसुन्य ×१४ परपरिवाद १५ रति घरति १६ मादास्या १० सिद्धादर्शन घन्य १८

इ॰ पासद छा-

निष्यास पासक । प्रति पासक २ प्रमाद पासक १ क्याय पासक ६ स्रोग पासक ५ प्राथातिपात पासक ६ स्वाकाट् पासक ०



वश करे ते संवर १५ मन वश करे ते संवर १६ वचन वश करे ते संवर १० काया वश करे ते संवर १८ भंड उपगरणमेलतां चलयणा न करेन्ते संवर १८ सुई जुमाग न सेवै ते संवर २०

र निर्जरा बारे प्रकारे—

भषभष ६ १ उणोदरी 🕂 २ भिचाचरी हे रस परित्याग ४ कायाक्षेत्र ५ प्रतिसंत्रिषणा ६ प्राय-र्शित ७ विनय ८ वैयावच ६ सिल्साय १ • ध्यान

ः ११. विडससा 🗓 १२

४ वस चार प्रकारे—

प्रकृतिवस १ स्थितिवस २ चनुभागवस ३ प्रदेश
वस ४

४ मोच चार प्रकारे — ज्ञान १ टर्शन २ चारित इतप ४

१५ पन्टरह में वोले चातमा चाठ-

द्रव्य पाता १ कपाय पाता २ योग पाता ३ उपयोग पाता ४ ज्ञान पाता ५ दर्धन पाता ६ चारित पाता ७ वीर्य पाता ८

[•] सपराप=इपवासादिक

[÷] उपोर्ध≠सम साना

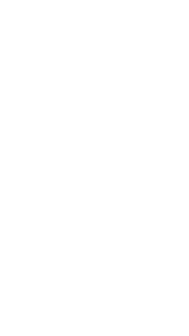
विउसन्ग=निवर्तवी तथा कायोदसर्ग



१८ प्रतारमें बोले हिए ३ तीन— सम्यक्टिए १ मित्या हिए २ समिमित्या हिए ३

१८ उगपोस्तमें वोलें ध्यान ४ च्यार— धार्तध्यान १ रीट्रध्यान २ धर्मध्यान ३ शुक्र ध्यान ४

२• बीसमें वोले परद्रव्य को लाप पर्यो धर्मासिकायने पांचा दोला घोलाबीज-द्रव्यवकी एक द्रव्य, खेत घी लोक प्रमापे, कालधकी चादि चना रहित, भाव घो परुपी गुप्यको जीव पुहल ने शालवा, चालवा की सहाय, पधर्मास्तिकाय ने पांचा बोलां पोल-खोले—द्रव्य घी एक द्रव्य, खेत घी लोक प्रमाणे कालयको बादि चल रहित भाव यो बरुपी गुप धी थिर रहवा नीं सहाय, भाकाशास्त्रकाय ने पांच दोल करी घोलखींजे—द्रव्य घो एक द्रव्य, वित घी लोक चलोक प्रमापे, काल घी चाहि पन गहत, भाव घी घरूपो, गुप घी भाजन गुण, काल ने पांचा बोलां घोलखीजे-द्रव्य घी चनन द्रव्य, चेत घी पढ़ाई हींप प्रमाणे, काल घी चादि पन रहित, भाव घी पहली, गुप घी वर्त-मान गुप पुद्रलक्षिकाय ने पांच वोल घी घोल-



राख्वा का त्याग करे।

- ६ छठा व्रत की विषे यावक दशों दिशि में मर्याद उपरान्त जावा का त्याग करे।
- ७ सातवां व्रत के विषे श्रावक उगभोग परिभोग का वोल २६ हवीस के जियारी मर्थाद उपरांत त्याग करे तथा पन्टरे कर्मादान की मर्थाद उपरान्त स्थाग करे।
- पाठमां व्रत की विषे घावक मर्याद उपरान्त
 पनर्घ दगड का त्याग करे।
- र नक्सां व्रत की विषे याक्क मामायक को सर्थाद करे।
- र दशमां बत के विषे शावक देनावगामो मंदर को मर्थाद करे।
- ११ द्रायारम् द्रत प्रावक पोष्ड करे।
- १२ बारम् व्रत घादक शृह माधृ नियन्य ने निर्देशि पाधार पार्था पादि घड्य प्रकार नी दान देवे।
- रक तैर्धीममें घोले नाधकी का पंच महावत-
 - र पश्चित महाबत से माधूजी महैया प्रकार कींप्र रिस्सा कर नहीं, धराये नहीं, करती ने भन्ती कार्त नहीं, सन से बक्त से कांटा से ।



कारास्त्रं नहीं कायमा, ६ घनुमीट्टं नहीं मनमा, २ घनुमीट्टं नहीं पायमा, = घनुमीट्टं नहीं कायमा ८ घोक १२ बारमी का भौगा ८—

एक करण दोय कीम में, कर्ण नहीं मनमा यायमा. १ वर्ण नहीं मनमा कायमा. २ कर्ष नहीं दादमा. कायमा. १ कराकों नहीं मनमा दायमा, १ वाराकों नहीं सनमा कायसा. ४ कराकों नहीं दादमा वायमा ८ पनुमोद्दे नहीं सनमा दायमा, ७ पनुमोद्दे नहीं मनमा दादमा, ८ पनुमोद्दे नहीं दादमा कायमा ८

षांब ११ वा गांगा र शीन-

पक करण तीन जीग में, वर्ण नहीं सनमा बाटमा कादमा, १ वराळों नहीं सनमा बाटमा कादमा, २ चनुमीहै नहीं मनमा बाटमा बाटमा १

यांव रह या शांता र --

होद वरण एक होतान, वह नहीं कराकों नहीं सनगर १ वह गरी कराकों नहीं कादमान करों नहीं कराकों नहीं कादमा, १ वहां नहीं कानु-मोई नहीं गरमा, १ वहीं नहीं कादमा, इ. वहां नहीं कादमा, १ वहीं कादमा, इ. वहां नहीं कादमा, १ नहीं चनुमोटूं नहीं वायमा २ करुं नहीं कराज नहीं चनुमोटूं नहीं कायमा ३ पांक ३२ वक्तीम का भांगा ३ तीन—

तीन करण दीय जीग में, करूं नहीं करों छं नहीं पनुमीटूं नहीं मनसा वायमा १ करूं नहीं कराऊं नहीं पनुमीटूं नहीं मनसा कायमा २ करं नहीं कराऊं नहीं पनुमीटूं नहीं वायसा कायमा ३। पांक ३३ तेतीम की भांगी १ एक—

तीन करण तीन जीगर्स करं नहीं कराक नहीं पनुमीदृं नहीं मनमा वादमा कादमा।

२५ पर्शेम में योले चारित पांच— मामाधिक चारिच १ हेरोस्घापनीय चारित २ पड़िशार विशृद्ध चारित ३ सृक्ष्य मंपराय चारित १ यणार्थात चारित ५

१ रति पदीन रोत सम्दर्भ १





पू ए पांच पासव द्वार हैं दनको सेना सेवाता । चौर घनुसोटने में एकाना पाप है।

सव से पहले हर एक काम में परमात्मा परमेश्वर को याद करो जिससे तुन्हारा हृदय शृह होय।

- १० जिसकी पास संसारिक इरुम सीखे वह संसारिक गुरु याने उन्ताद घीर की संसारमयी समुद्र से तैरने का उपाय वतावें वही तरप तारण, तथा ग्रमण धर्म या ग्रमणोपासक धर्म जिससे बहीकार करें वही धार्मिक गुरु।
- ११ गुरु का पविनय करने से गुण नहीं पाते हैं। पाष्ट्रिस जनका पढ़ना व्यर्ध होता है, दैसे विभ्या का शृहार, देसे पवनीत का पढ़ना एक सा है १२ वरा काम पगर कोई हिपके भी करेगा तो क्या
 - है पाखिर जाहिर में पाविशीगा इसलिये दुरा काम नहीं करना चाहिये जवानी दिवानी है जो धर्म करना हो वो करने में पालम नहीं करना चाहिये।
 - १३ गुप माने उसको गुप सिखलाना, दान मुपात को देना, उपदेश सबको करना, निकी दुरे पीर भले दोनं के नाय करना. यह गुपवानी का काम है।



सो जानी ४ स्थिर चित रक्ते सो ध्यानी ५ इन्द्रियां दमें सो श्राह पर उपकार करें सो पूरा ० गुप्तक्तों का गुप गार्व सो गुपतान प्र निर्धन से नेह करें सो पुन्यतान ८।

क इति क

॥ त्र्रथ पाना की चरचा ॥

- १ कींद रुपी के पर्वी, पर्वी, किपन्याय काली पीलो नीलो रातों धोलो ए पांच वर्ष नहीं पांचे इप न्याय।
- २ पत्रीय रुपी की पर्सी, रुपी पर्सी दोनूं ही, किएन्याय धर्मालिकाय पधर्मानिकाय पाका-गालिकाय काल ये च्यारं तो पर्सी पीर पुहला-लिकाय रुपी।
- .३ पुन्य रुपी के परुपी, रुपी, ते किरन्याय पुन्य ते , शुभ कमें, कमें ते पुद्रल. पुद्रल ते रुपी की है।
 - १ पाप रुपी के परुषी, रुपी, ते किएन्याय पाप ते प्रशाम कर्म, कर्म ते पृष्ठत ते रुपी।
 - ५ पासर ग्री के पर्की, पर्की, ते किटनाद



- र्थ पाप सावदा की निरवदा, दोनं नहीं सनीव है।
- ५ पासव सावदा की निरवदा, दोनृं ही है किर्णन्याय
- ा निष्यात्व पासव, पत्रत प्रसिव, प्रमाद पासव, कपाय पासव ये च्यार तो एकान्त सावदा है
- ्र शुभ जोगां से निर्जरा होय जिल श्रासरी निरवद्य
- े है चशुभ जोग सावदा है।
- ६ संवर मावद्य के निरवद्य निरवद्य है, ते किण-
- 🕆 न्याय कर्म तोड़वारा परिणाम निख्य है।
 - निरनरा मावदा के निरवदा, निरवदा है ते स्तिण-न्याय कर्म तीड़वारा परिणाम निरवदा है।
 - वस्य मावद्य की निरवदा, दोनूं नहीं, ते किणन्याय
 चर्जीय के इणन्याय ।
 - र मोच मावद्य के निरवदा, निरवदा है. सकल कर्म स्कार मिद्र मगवन्त घर्या ते निरवदा है।
 - ॥ लड़ो तोजी आज्ञा मांहि वाहर की ॥
 - १ जीव पाना गांहि की वाहिर, दोनं है, ते किया न्याय, जीव का चीखा परियाम पाना सांहि है खोटा परियाम पाना वाहिर।
 - २ पजीव पाता सांहि की वाहिर, दीनूं नहीं, पजीव है।



॥ टड़ी चौथो जीव चोर के साहकार ॥

१ स्रोध चीर के साहत्यार, टीनूं हैं, कियन्त्राय चीखा परिचामां साध्यकार है साहा परिचामां चीर है।

२ पत्नीत चीर की साप्तकार, टीमूं नहीं, विषयाय चीर साप्तवार ती जीद कुछै दें पत्नीय हैं।

र पुन्य चीर के माझवार, टीन् नहीं चडीड है।

४ याय कीर के माजवार, होने नहीं कड़ीय है।

प्र चाराद चीर के मालकार, होने हैं विकल्याय स्वार चाराद में। चीर है, चीन चार्म जीन पर चीर है, शुग्न जीन मालकार है।

श्रीदर चार के साहकार साहकार है, किचन्याद,
 चर्म देवका दे। परिचास साहकार है।

् तिर्वेश देशिक्ष मालकार मालकार है, विरस्पाद कर्म तीलका रा मिरिकास सालकार है।

द बंद बंद के कामकार, होने वरी बहीद है।

भीत की के मालकार मालकार दिवसमाद करें
 भूवार कर रेमल करा है मालकार है।

। सर्वे पंचनी जीव लातीय की ह

र की दर्ते की बार्च के क्षेत्र के की दा कि विक्रास्त्र के विक्रास्त्र के किया है। काहर का सामित्र की भी वादकी क्षाकी वास्त्र करें कुछ करेंग्र ० निरमरा छांडवा जीग के पादरवा कीग, पादरवा लोग है किणन्याय देश घो कर्म तीड़े देश धी कीर उउनल याय ते निरकरा है ते पाइरवा स्रोग है।

८ मन्य कांडवा जोग की पादग्वा जोग, कांडवा जोग है ते किणन्याय ग्राभ पशुभ कर्म नी बंध छांडरा ं लोग ही है।

८ मोच कांडवा जीग की चादरवा जीग, चांदरवा ं कोग है, ते किणन्याय सकल कर्म खपावे, सीव निरमल याय, सिद्ध दुवे, इचन्याय चादरवा क्षेत्र हे ।

॥ पटड्रव्य पे लड्डी सातमी रूपी अरूपी की ॥

१ धर्मान्तिकाय रुपो के चरुपो, चरूपो, कि**च**न्याय पांच वर्ष नहीं पाने दक्ताय। र प्रधमीनिकाय रुपी के परुपी, परुपी, कियन्यार

यांच वर्ष नहीं वार्व दवन्याय । चाकामान्तिकाय रुपो के चस्पी, चस्पी कियन्याः मांच वर्ग नहीं पार्व द्रचन्याय ।

ट बाल कवी के चढ़की, चड़की, जिल्ह्याय, पांच वर्ष नदो पार्व दचन्याय ।

- प् पुद्गत रूपी के घरुपी, रुपी, किरन्द्र हा स्वरूप पावे दूपन्याय ।
- ्रेड् जीव रुपी की भरुपी, भरुपी, क्रिक्टाइक -नहीं पावे दुणन्याय ।
- ॥ छव द्रव्य पर छड़ी आठमी नुब्ह कि
 - १ धर्मास्ति काय सावद्य के निर्मेश 🕁 🚁 प्रजीव है।
 - २ प्रधमीलि काय साइद्य के निर्मा करें। प्रजीव है।

বিদ

- ३ पातागासि काय सङ्क्ष्य है ५ पत्नीव है ।
 - ४ काल सावद्य के निष्टा है 👵
- प्र पुद्गलास्तिकाय सान्द्र ते _ पन्नीव है।
- ६ जीवासिकाय सन्दर्भ । परियास सावद्य हो है ।
- ॥ छव दुब्द

। छन् प्रदेश

१ धर्मान्तिकाद राष्ट्र

ते किएन्टरः 🕆

्यने **ए प**र्जाः ।



५ पुद्रल चीर की साहकार, उन्हें	
६ जीव घोर के साहकार हैं 🚈 🚈	(2)
परियास पांसरी चेतर हैं चिंग	यि, पुन्य
साहकार है।	क्षणन्याय
छव द्रव्य पर लड़ी उत्तंत्र	
१ धर्मास्तिकाय की विकास	गन्याय
२ पधर्मास्ति काट डीड रे	
३ चाकाशास्ति काट रंग्य	क्त्य-
४ काल जीव के एतेयात	
५ पुद्गलास्ति कार्यक्रिके	य,
६ जीवासि कार के कि	·
। छव द्रव्य पर्हाः	वाय
१ घर्मानि कार	
न्याय द्रह्मक	ं? दोय,
.२ यधर्मीनि क	ा नरता
द्रच दर्हें 🔩 -	
३ पाक्राह	•
पन्ते ।	
अ कार कर कर है।	•
The second of th	•





कर्म मात्रय के निर्वय ? दोनूं नहीं भनीत है।
 कर्म चोर के माझ कार ? दोनूं नहीं भनीत है

भ जमें चाला गांडियो याहर ? दोनूं नहीं चजीद 6 जमें कांड्या जोग की चादस्या जोग, कांड्या के के।

पाठ कर्मा में पुन्य किराना पाप किराना १ चा बंश्मी, द्रयेनावरणी, मोडनीय, पन्मराय, ए च कर्मे सो एकाल पाप के, येदनी, नाम, गोब, प ए च्यार कर्म पुन्य पाप दोर्नु ही के।

॥ छड़ी २० बीसमी ॥

र धर्म आव के चजीव १ औव है। २ धर्म सावदा के निर्वदा १ निर्वदा है। ३ धर्म चाक्षा सांडि की बाइर १ त्री बीतराग ८० चाक्षा सांडि है।

ट धर्म चीर के माष्ट्रकार ? माझकार है। प्रभमें करी के चन्दी ? चक्रयों है।

क धर्म पुन्य के बाव १ दीर्जू नहीं, जिसम्बाय, अस कींत है, युना बाद चलीत है।

 मामायक पुन्च कि पाप ? ट्रानं नदा, कियान्याय पुन्च पाप प्रजीव के, मामायक जीव के।

॥ रुड़ी २३ तेबीममी ॥

१ मावदा जीव की चर्जीत ? जीव है।

२ साबदा साबदा के के निग्वदा १ मावदा के।

इ सावदायाचा माहि के बाहर ? बाहर है।

४ मावदा चीर की माझकार ? चीर दे।

मावदा रूपी की चरुपी ? चरुपी है।

६ मावदा कांडवा जोग के भाद्ग्वा जोग ? कांडवा

जीग है।

भावदा पुन्य की पाप ? दीनूं नहीं, पुन्य पाप ती भाजीव कै सावदा जीव के।

॥ छड़ी २४ चौबीसमी ॥

। निरवदा जीव की प्रजीव ? लीव है।

२ निरवदा सावदा के निरवदा १ मनिरवदा है। ३ निरवदा चीर कि साहकार १ माहकार है।

निरवदा चार अत्साहकार १ माहकार छ। ।
 निरवदा चात्रा मांहि के वाहर १ माहि छै। ।

व निरवदा पाता माडिक वाहर श्रमाहिकि। प निरवदा रूपी की परुपी श्रक्षी है। यह गरि

- ·· ६ निरदय द्वांडदा दोग के भाद्ग्दा जीग १ भाद्ग्दा जीग है।
 - ९ निरवदा धर्म के अधर्म १ धर्म है।
 - मिर्दिय पुन्य की पाप ? पुन्य पाप दोन् निष्कीं, किरन्याय ? पुन्य पाप तो चजीव है, निर्दिय कीव है।

॥ रुड़ी २५ पत्रीसमी ॥

- १ नव परार्थ में जीव जितना परार्थ ? यने यजीव जितना परार्थ ? जीव, सासव, संवर, निर्ज्ञा, मीद ये पांच तो जीव है. यने यजीव, पुन्य, पाप. वन्य, ये च्यार परार्थ यजीव है।
- . २ नव परार्थ में सावया कितना निरवश कितना ?

 क्षीव भने भासव ये दोय तो सावशा निरवश दीनूं

 है भवीव, पुन्य, पाप, वन्य ये सावशा निरवशा
 दोनूं नहीं। मंदर, निर्वरा, मोब, ये तीन परार्थ
 निरवश है।
- . इ. तब पदार्थ में पाता माहि कितना पाता उल्लोब, पासब, ये दोद तो पाता माहि पर दे, पन पाता बोहर पर

७ ६व डब्य में मप्रदेशी कितना भप्रदेशी कितना? एक काल तो भप्रदेशो है, बाको मांच मप्रदेशो ê, ॥ लड़ी २७ सत्ताइसमी ॥

(45)

१ मुन्य धर्म की भधर्म १ दोनूं नहीं, किणन्याय ? धर्म चधर्म जीव है, पुन्य चजीव है। २ माप धर्म के पधर्म ? ट्रोनं नहीं, किएन्याय ? धर्म पधर्म जीव है, पाप प्रजीव है। १ वंध धर्म कि चधर्म १ दोनं नहीं, कियल्याय १ धर्म पधर्म तो जीव है, यंध पत्रीय है। ४ कर्म चन धर्म एक के दोय ? देश्य है, कियन्याय कमें तो चन्नीय है, धर्म तो जीव है। । याप भने धर्म एक कि दें।य ? टोय के, कियन्याय ? याप तो धजीव हो, धर्म जीव हो। धर्म धर्न धथमां न्ति एक की दीय ? दीय, किय-

न्याय ? धर्म ती जीव है, पधमीनित पजीव हो। घवम घन धर्मानि एक की दीय ? हाय, दिचन्याय , प्रथमें तो त्रोव है, धर्मानि पत्रीव अमोलि पने पथर्मालि एक की दीव ? दीव

(40) किएन्याय १ धर्मास्ति की ती चालवा नी सह है, इन प्रधनांन्ति नो विर रहवा नो सहाय है ८ धर्म धर्मी एक के दोय १ एक है, किएन्याय धर्म होव का चोखा परिएाम है।

 दक्ष दन दक्षिण एक के दोय १ एक है, किए. न्याय १ पधमें कींद का खीटा परिचाम है।



- र्रः गुणस्यान किसो पावे—व्यवहार घी पांचमूं, साधू ने पूर्हे तो कट्ठो ।
- २२ विषय कितनी पावै—२३ तेवीस।
- मिथ्यात्व नां दश वोल पावे के नहीं, व्यवहार थी
 नहीं पावे।
- १४ जीव का चीटा भेटां में से किसी भेट:पावै, १
- एक चीट्मूं पर्याप्तो सङ्गी पंचेन्द्री की पावे।
 १५ पातमां कितनी पावे—शावक में तो ० सात
 पावे, पने साधू में पाठ पावे।
- १६ दगडक किसी पावै—एक इसवीससृं।
- १ं ७ . लेक्या कितनी पावै—६ छव।
- १८ दृष्टि कितनी पावै—व्यवहार घी एक सम्यक् दृष्टि पावे।
- १८ ध्यान कितना पावै—-३ तीन, ग्रुक्त ध्यान टाल के।
- २० एव द्रव्य में किसा द्रव्य पावे---१ एक जीव द्रव्य।
- २१ रागि किसी पावै— एक जीव रागि।
- २२ श्रावक का वारा व्रत श्रावक में पावै।
- २३ साधूका पञ्च महावत पावे के नहीं साधू में पावे शावक में पावे नहीं।



म पर्योग कितनी पावे प्राण कितना ४ स्वार, मन भाषा टली हों। ४ स्वार पाने, स्पर्श स्त्री बट-प्राप १ साय बट २ ध्वासी-भ्वाम बट ३ सायुपी बट प्राप ४।

ट पाणी घोसादि चप्प कायका प्रश्लोत्तरः

प्रम्न गति काँ जाति काँ काय किसी क्षित्रयां कितनी पर्याय कितनी प्राप्त कितना

प्रय

مين

उत्तर तिपंज गति पकेटी सप काय एक स्पर्ध रही ४ दशद मन मापा रही

४ च्याद, ऊपर प्रमाणे 🦠

८ पान तेउकाय नां प्रश्लोत्तर

गति काई 'जाति काई काय किसी इन्द्रियां कितनी पर्याय कितनी प्राप कितना उत्तर तियंत्र गति पकेन्द्री तेउकाय पक स्पर्श रन्द्री ४ स्पार, मन भाषा टली ४ स्पार, जपर प्रमाणे

१० वायुकाय का प्रश्लोकर

प्रञ्ज . यवि कार्र उत्तर् विषेत्र गवि



रवासी स्वास यल माण Я भाउपो यल प्राण भाषा घल प्राण

१३ कोड़ी मकोड़ा पादि तेन्द्रों का

उत्तर प्रमु

गति कांद्र तियञ्च गति तेन्द्री ज्ञाति कां काय कोई इस काय

इन्द्रियां किसनी ३ तीन स्परा १ रस २ घाण ३ ५ पांच, मन पर्याय रही पर्याय फितनी

प्राप कितना ७ सात. छच सी ऊपर प्रमाणे द्याण इन्द्री दल प्राण बध्यो

१४ माखी मक्तर ठीडी पर्तगिया विक् पादि

चौद्रन्द्री का

प्रश उत्तर

विषेश गति गति को जाति सांद्र चौ स्ट्रां काय कोंद्र यस साय

इन्द्रियां कितनी ४ च्याद धृत (न्द्री टली पर्याय क्रित्तशी ५ पांच, मन पर्याद रही

माप कितना ८ माद, सात हो हुएर प्रमाध एक बस ह्यां बस माम

कीर काले



इन्द्रियां कितनी ({4) पर्याय कितनी ५ पांची ही माण कितना ५ मन भाषा मेलां लेखवनी १० दशों धी १८ मनुष्य की पृछा चसन्नी की मग्न गति कांड उत्तर जाति काई मनुष्य गति काय कांद्र पंचेन्द्री रन्द्रियां कितनो त्रसकाय पर्याय कितनी पांच माण कितना १॥ स्वास हेवे तो उस्वास नहीं ७१ स्थास लेवे तो उस्थास नहीं १८ सनी मनुष्य की पृक्षा पञ्च गति कां उत्तर जाति काई मनुष्य गति काव कांहें एंचे द्वी इन्द्रियां किन्नी परांद कित्रनी वस काय ५ एांच गण कित्रना € 07 तुमें मही के पमझी १ मझी, किएन्डाय १ मन है। तुम मृत्म के वादर १ वादर किए. १ दीखें है। तुनं तम के स्थावन १ तम किए १ हानं चानं हैं।



(8)

१० तिर्वञ्च पंचेन्द्री की पृषा

प्रश्च	उत्तर	
सर्जा के वामधी	दोनूं ही छै	
ए स्म के यादर	यादर छै	
त्रस के स्यापर	त्रस छै	

११ घमत्री सनुष्य चीद स्थानक में नीपजे

प्रय	उत्तर
सप्री के असप्री	बमर्सा छै
स्हम के बादर	षादर छै
त्रस के स्पावर	त्रस छै

१२ मझी मनुष्य ते गर्भ में उपने जिषारी पृक्षा

प्रम	उत्तर
सम्री के सहस्रो	स प्रीउ
सुध्य के कादर	यादर छै
त्रस के स्थाइर	चस छै

१३ नाम्की का नेरिया की पृद्वा

प्रश्न	इत्तर
सबी के असती	समी है
स्हम के बादर	बर्दर छै
त्रस के स्पाक्त	यन दे



- भ मनुष्य में वेट कितना पावै— मसद्री मनुष्य चौटे घानक में उपजे जियां में तो वेट एक नमुंसक ही पावे के. सद्री मनुष्य गर्भ में उपजे जियां में वेट तीनों हो पावे के।
- ६ नारकी से बेट कितना पावै एक नप्सक वेट ही पावै हो।
 - जलवर यलवर उरपर भुजपर खेवर या पांच
 प्रकार का तिर्यञ्चा में वेद कितना पावे— इसी-ईम उपजै ते चसन्नी है जियों में तो वेद नपुं-

इस उपज्ञत असम्राष्ट्र । जणान ता वर नपुः सक्त हो पावे हैं, पन गर्भ में उपके ते सन्नी हैं जिलां में वेट तीनों हो पावे हैं।

- प्रदेवता में वेट् कितना पावै—उत्तर भवनपति वार्यव्यक्तर जीतियी, पहिला टूजा देवलोक तांई तो वेट् दोय स्त्री १ पुरुष २ पावे के, भीर तीजा देवलोक से सार्घ सिद्ध तांई वेट् एक पुरुष ही

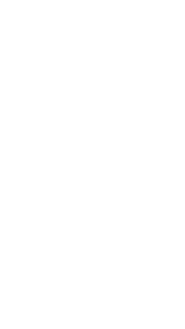
 - १ धर्म बत में के भवत में बत में।

EΊ



- ११ साधू की ने मृज्ञती निटीप चाकार पारी दियां काई को बेबत से की चब्रत से — चज्ञभ कर्म चय याय तथा पुन्य वंधे की, १२ में ब्रत की।
- १२ साध्वी ने चन्वती दोष सहित पाहार पाषी दियां कांई होवें तथा वत में कि चवत में बी भगवती मृत में कछो है, तथा बी ठाषांग मृत कि तोले ठाण में कछो है पत्य पायु वेथे चक-न्यापकारी कमें वंथे तथा चन्वती दोधी ते वत में नहीं, पाप कमें वंथे हैं।
 - ११ परिष्त देव देवता के मनुष्य-मनुष्य हैं।
 - १४ माध् देश्ता के मनुष्य-मनुष्य है।
- १४ टंबता साधु शो यंद्रा कर कि नशी कर-करें साधु तो सदका पुजर्न के हो।
- १६ माप् देश्या की बंदा कर के नहीं कर -नहीं कर
- १० मिद्द भगशन देवता के मनुष्य-होर्न् नहीं।
- १८ मिद्द सगदान मृद्द थे. यादर-दोन् नहीं ।
- १८ मिड् भगशन यम के मदाका दोने नहीं।
- र । मिद्द भरशान मही के दम्ही-होने नहीं।
- न् । भिर भगवान प्रयोश वे । इप्रयोश हान् नहीं ।

इ. इ. १५ व्या दाश की दावा ह



कियन्याय, उ॰ श्रीनिशीय सूत के १२ वारमें उद्देशे में कहा है पनुकामा करी तस जीव वांधे वसावे पनुमोदे तो चीमासी प्रायद्यित पावे, तथा साधु संसारी जोवां की सार संभार करें नहीं साधु तो संसारी कर्तव्य त्याग दिया।





संसारी कमां सहित है, तियरा घनेक भेद है, सृह्म घने वादर, तसने स्वावर, सन्नी घने यसनी तीन वेद, ज्यार गित, पांच जाति, इवं काय, चीदें भेद जीवनां, चीवीस द्रगड़क, इत्यादिक घनेक भेद जायनां, चेतन गुण चीलख़वानें सोनारी दृष्टान कहें हैं. जिस सीनारी गहणों भांजी भांजी ने घीर घीर याकार घड़ावे ती याकार नो विनाग याय पण सोनारी विनाग नहीं, तैसे कर्मी का उदय यो जीव की पर्याय पलटें पण सृत चेतन गुण को विनाग नहीं।

पजीव पवेतन तिषरा पांच मेर-

धर्मास्त, पधर्मास्त, पाकाशास्ति, काल, पृद्गलाम्ति तिपसें च्यागं की पर्याय पल्टै नहीं एक
पृद्ग्लास्ति की पर्याय पल्टे ते श्रोलखनानें सोनारी
हटान्त कहे हैं — जिस कोई सोनारी गहणों भांजी
भांजी चीर चीर याकार घड़ाव तो साकारनों
विनाश हीय, सोनारो विनाश नहीं, च्यूं पृद्गल की
पर्याय पल्टे पण पृद्गल गुण की विनाश नहीं।
पुन्य ते शुभ कर्म पाप ते भशुभ कर्म ते पुन्य पाप
पोलखनानें पर्या भप्य चाहार नो हटाना कहे
हैं, करेक जोन की पर्या पाहार घटे चीर चप्य



- ह पाणी पावे ते किट्ट ज्यों कर्म पावे ते पासद
- श्रम कच्चां यक्षां कोई कर्म पने पासद एक सरधे तहनें होय मरधादा ने चींयो कहण कहे हैं।
 - १ पार्टी पने नाली दीय ज्यों कर्म पने पासव दीय।
 - २ मनुष्य चने वारदीं दीय ज्यों कर्म चने पासक दीय।
 - ः पाणी विद्व दीय चीं कर्म पने पासव दीय।
 - ४ विशेष पीललवा ने पांचमें करण कई है।
 - १ पारी पाडे से नाली पर पार्ची नाली नहीं, च्यों कर्म पांडे से पासद पर कर्म पासद नहीं।
 - न सनुष्य पाडे से दारों पर सनुष्य दारपीं नहीं, की कर्म पाडे से पासद पर कर्म पासद नहीं।
 - र पायी पार्वे ने हिंद्र पर पारी हिंद्र नहीं न्हीं वर्षे पांचे ने पांचर पर वर्ष पांचर नहीं। यस रोकें ने संदर ने सोंदर ने सोंज्यदा ने नीन रक्षान्त बाँह हैं।
 - र राषाय के माले क्षेत्रियों से व दे पास्तव होते कि मोदर ।

१०२ इंबिजी की बाक्यों रुधे ज्यों जीव देशासन हुये ते संबर।

ह नाव रे किंद्र रूंधे ज्यूं जीव रे चासव रुंधे ते

. संवर।

देश्यकी कर्म तोड़ी जीव देश थी उच्चल थाय ते निर्जरा खोलखवा ने तीन दृष्टान्त कहें दें।

३ १ तालाव रो पाणो मोनियादिक करी ने कार्द करी औद सला भाव प्रवर्शनो न कर्म रुपियो पार्थ

- काहे से निजैरा। २ प्रविक्ती से कचने पूंजी ने काहे जी भता भाव - प्रमानि ने जीव कमें क्षियों अन्यों काहें ते

र नाज को पाणी उसे वो २ ने काढ़े ज्यों जीव म^{ज़ा}

र गाप का पाया उस वो २ न काड़े ज्या जाउ सवा हुं निर्माय प्रवर्धीयों ने कर्मक विद्या पायों काड़े हैं । निर्मात

ा जीव संपात कर्म वंधिया हुवा ते वंध,

ते स्रोतस्वता ने स्व बोल कहें "
ि श'मध्नि बोले लंकी लासीली

र पान्य पान काशा खासी जी चादि ै ए दात सिक्के बोल्या न मिले । प्रश्न क्यूं न मिले गुरू बोल्या ए उपनी नहीं ।

- २ टूजे वोले कहो खामीजी पहलों जोव चीर पाड़ें कर्म ए वात मिले १ गुरु वोल्या नहीं मिले । प्रश्न — क्यों न मिले, उ॰ — कर्म विना जीव रह्यों किहां मोच गयो पाड़ो चावें नहीं यों न मिले । इ तीजें वोलें कही खामीजी पहली कर्म पन पड़ें ।
 - इ तोज बोल कहा स्वामाजा पहला कम भग पर्या जीव ए मिलें १ गुरु कहै नहीं मिलें। प्रश्न—क्यों न मिलें, गुरु कहें कम कियां विना हुवें नहीं, तो जीव विना कम लुए किया।
 - श चीये वोले कही स्वामीकी जीव कर्म एक साय डमना ए मिले १ गुरु कर्च न मिले । प्र•—किए न्याय १ ड•—जीव, कर्म यां दीयां ने उपज्ञावप वालो कुए।
 - प्र पांचमें दोलें जोव कर्म रहित है ए वात मिर्छे? गुरु कहै न मिलें। प्रत्य—किरन्याय? उ॰—ए लीव कर्म रहित होवें तो करवी करवा री खप (चूंप) कुष करें मुक्ति गयो पादो चावें नहीं।
 - ६ हरें दोले कही खामीजी जीव पन कर्मनी मिलाप किए विधि पाय हो गुरु कहे परक्लान पूर्व परे पनादि जान से जीव कर्म रो मिलाप पत्नो जाय है



।। तोजो कुण द्वार कहै छै ॥

जीव चेतन क्षव द्रव्यां में कीण नव परार्थों में कीण ? क्षव द्रव्यां में तो एक जीव नव परार्थों में पांच। जीव १ पासव २ संवर ३ निर्जरा ४ मोच ५।

पजीव पचैतन क्वमें कीण नवमें कीण — क्वमें प्र नवमें ४ क्वट्रव्यां में तो धर्मास्त १ प्रधर्मास्त २ पाकाणास्ति ३ काल ४ पुद्गलास्ति ५, नव पदाधीं में पजीव १ पुन्य २ पाप ३ यंध ४

पुन्तते श्रुभ कर्म इवमें कीण नवमें कीण— इव में एक पुद्गल, नवमें तीन, प्रजीव १ पुन्त २ वस्ते ३

पापत पश्चम लर्म छवमें कोण नवमें कोण— छव में एक पुद्रल, नव में तीन, प्रजीव १ पाप २ वस्य ३

कर्म ग्रह ते चासव इव में कीण नव में कीण— इवमें जीव, नवमें जीव १ चासव २



कमां रो करता कोण कीधा होवे ते कीण करता तो जीव कीधा हुवा ते कर्म

कर्मा रो उपाय ते कीण उपना ते कीण—उपाय तो जीव उपना ते कर्म

कर्माने लगावे ते कीय लाग्या हुवा ते कीय— लगावे ते लीव लागे ते कर्म

कर्मान रोके ते कोण सक्याति कोण---रोके तो कीव, सक्याति कर्मे

कर्मान तोड़े तं कीय तृत्या ते कीय तोड़े ते की त्रया ते कर्म

कर्मान वांधे ते कोण पंत्या ते कोण—वांधे ते कीव पंध्या ते कर्म।

कर्मा ने खपावें ते कोच चन चयघया ते कोच--खपावें ते जीव चयघया ते कर्म

e इति तृतीय हारम् ø

शा अथ चौथी आतम द्वार कहे छै ।। जोव चेतन ते पातमा है पनेरी नहीं। पजोव पचेतन पातमा नहीं पनेरी है। पातमार काम पावे है पप पातमा नहीं, कीय को काम पावे ते कई है— हो, वर्त्तमान काल जीव है, प्रामामी काल वीर है जीव रहमी इपन्याय। पत्रीयने प्रजीव कियान्याय। कहिन्ने, गणकी

पजीयने पजीय किणन्याय। कहिन गर्वका पजीय को वर्षमान काल पजीय के, पागमी क्री पजीय को पजीय रहमी।

पुन्य ने पजीव कियन्त्राय कडिजे, पुन्न है गुभ कर्म के, कर्म ते पृहल के, पुहल है पजीवके।

पाप ने पक्षीय कियन्याय कडिने, प्राप है प्रमुभ कमें है, कमें ते पुद्गल है, पुद्गल ते प्रीप है।

चामत्र न कींद कियान्याय कड़िने, चासरी कमें ग्रेड के, कहारी करता के, कमीरी उपाद है ज्याप ने जीव की के।

) मिळाल पासन ने जीन जियन्त्राय वीरि विपरीत सरधान ने मिळाल पासन है ते जीती परिचास है।

्र पत्रन पासद ने श्रीव विषयाय विदि? पत्राम साद ने श्रीदोर पामा बांडा पत्रन पास्त्र है ने जीदगा परिनास है। प्रमाद भासवने जीव किपन्याय किन्ने;
 उपज्ञास पपो ते प्रमाद भासूव के ते जीवरा
 परिणान के।

४ कपाय चासून ने जीव किएन्याय किएजे, कषाय चात्सा कही है, कषाय ते जीवरा परिचास है, ते जीव है।

क्षोग पासद ने जीद किएन्याय कहिजे जीर्ग पातम कही है जोग ते जीदरा परियाम है तीनूं ही क्षोगांरों ज्यापार कीदरो है।

संवर ने जीव किपन्याय कहिजे सामाई पचलाप संयम, संवर, विवेक, विउसग, एइक पात्मा कही है, बिल चारित चात्मा कही है, चारित जीवरा परिपाम है इपान्याय।

्र निजरा ने जीव जिपन्याय जिल्ले, भन्ना भाव प्रवर्तावीने जीव देगयी उज्बन्ती हुवे ते जीव है।

दंभ ने चर्जीव किएन्टाय कहिने, वंभ ते शुभ चशुभ कर्म है, कर्म ते पुद्गत ते चर्जीव है।

ं मोचन कींव किपन्याय कहित्रे ? समस्त कर्म मूंकारे ते मोच कहित्रे निर्वाप कहित्रे सिंह भग-



मियात्व पास्तव ने घरुपी कियन्याय किछने ? मिया दृष्टि परुपी कही है।

भन्नत भामव ने भर्गी किएन्याय कि हिने ?
 भन्याग भाव परिणाम जीवरा चर्गी कि हो ।

प्रमाद चामुव ने पर्ती किएन्याय किहने। ? चयाउडा हमयों ते प्रमाद चामुव है, जीवरा परियाम है, ते जीव है, जीवते चर्मी है।

कपाय चामुव ने चरुपी किणन्याय कि हिने ? श्रीठाणांग दश में ठाणें जीव परिणामीरा दश में दां में कपाय परिणामी कि हो है, चने ज्ञान दर्शन चारित परिणामी कह्या है, ए जीव है तिम कपाय परिणामी कीव है, कथायपणें परिणामें तें कथाय परिणामी पानुव है, जीव है, जीवतें चरुपी है।

जोग धासव ने परूपी कियन्याय कहिजे? तीनों हीं जीगांरी उठान कर्म वल बीर्य पुरुषाकार पराक्रम परूपी है।

संवर ने चरुपी कियन्याय कहिजे ? पठारे पाप ठाणारी विरमण चरुपी हो ।

निर्देश ने पर्पी किएन्याय कहिने ? कर्म तोड़वारी वल वीर्य पुरुषाकार पराक्रम पर्पी है। पंचने रुपी किएन्याय कहिने ? वंचते शुभा



॥ अथ आठम् भाव द्वार कहे छै ॥

भाव ५ पांच—उदय भाव १, उपशम भाव २, घायक भाव ३. घयोपशम भाव ४, परिणामिक भाव ५

उदय तो पाठ कर्मनो पन उदय निपन्नरा दीय भेद—कीव उदय निपन्न १. टूजी जीवरे प्रजीव उदय निपन्न २. तिएमें जीव उदय निपन्नरा इइ तेतीस भेद ते कहे हो, च्यार गति ४, छव काय १०, छव जिग्ना १६, च्यार कषाय २०, तीन वेद एवं २३ मिच्याती २४. पन्नती २५, पमन्नी २६, घनाणो २०, पाहारता २८ मंसारता २८, प्रसिद्ध ३०, घक्तवली ३१, छन्नस्य २२, संजीगी ३३।

हिवै बीवर पर्जीव उदय निषद्भरा ३ • तीस भेद तो कहे हो पांच गरीर ५, पांच गरीर र प्रयोगे परि-पन्यां द्रव्य, ५ पांच वर्ष, २ दीय गंध, ५ पांच रस, ८ पाठ स्पर्ण एवं तीस।

उपगमरा दीय भेद-एक ती उपगम १ ट्रूकी उपगम निपन्न भाव उपगम ती एक मीह कर्मरी हीय,



मोश्नीय कर्मरी चयोपशम होय ती पाठ वील ।मिं. ४ च्यार चारित. एक देश वत, व तीन दृष्टि

पन्तराय कर्मरी चयोपग्रम होवे ती पाठ वील

।मि ५ पांच लिख, तीन दीर्य ।

परिपामिकरा होय भेद साहिया परिपामी १, दनाहिया, परिपामी २, घनाहिया परिपामिकरा १० हम भेद तिपमें ६ इव द्रव्य धर्मास्ति घादि, सातम् तोक, य घाठम्ं घलोक, य नवम्ं भवी. १० दशम् पभवी। घने मादिया परिपामीरा घनेक भेद दापवा। गाम नगर गड़ा पहाड़ पर्वत पताल समुद्र वीय मुवन विमान इस्वादि घनेक भेद घादि सहित परिपामिकरा चापवा—

सीव रादी सीव परिचासिकरा १० दम भेद, वे करे हैं—

गति परिष्यामी १, इन्द्रिय परिष्यामी २, इधाय परिष्यामी ३, सिक्स परिष्यामी १, स्रोग परिष्यामी १, स्पर्योग परिष्यामी ६, सान परिष्यामी ०, इर्मन परिष्यामी ५, साहित परिष्यामी ६, देह परिष्यामी द्य

हिंदे बींद पायी पड़ींद परिलामीस १० दंग मेंद कर्ष है— (\$8)

ं सन्धन परिवासी १, गई परिवासी १, कंडव परिवासी ३, भेट परिवासी ४ वर्ण परिवासी १ वर्ग परिवासी ६ रस परिवासी २ स्पर्ग परिवासी ८ वर्ण लघू परिवासी ८ शब्द, परिवासी १०।

्रिजीव में भाव पावे ५ पांचूंडी। • चजीव पुन्यं पाप वन्धं में भाव एक परिणामिक।

पामुव भाष दोय – उदय, परिवासिक संयर भाष ४ च्यार, उदय वरती ने निर्वरा भाष ३ शीन, चायक, चयोपगमः परि वासिक।

े सोच भाव २ दोय चायक, पश्चिमक । ॥ इति सदस द्वारम् ॥

॥ अथ नवम् द्रव्य गुण पर्याय द्वार ॥

द्रव्य तो जोव चर्मस्य प्रदेशो, गुण चाठ, छान, दर्भन, चारित, तप, बीर्य, उपयोग, सुख, टुख। एव एक गुणांने चनना चनना परांथ। चाने करो चनना पदार्थ जाणे तिलम् चननी

पर्याय ।

दर्शने करी धनन्ता पदार्घ सर्धे तिणस् कननी पर्याय ।

् चारित घो भनना कर्म प्रदेश रोके तियसूँ भनन्ती पर्याय ।

तपकरी भनना कर्म प्रदेश तोड़े तिपस् भनना पर्याय।

बीर्यनी भनन्तो यक्ति तियसूं भनन्ती पर्याय।

उपयोग यी पनन्त परार्घ जाये देखे तिषम् पनन्ती पर्याय ।

सुख पनना पुन्य प्रदेश सूं धनना पुद्गितिक सुख वेदें तिपसूं धनन्तो पर्याय। वित्त पनना कर्म प्रदेश पत्तग ह्यां यो धनना चातम सुख प्रगटे तिपसूं धनन्तो पर्याय।

ुख भनना पाप प्रदेश मूं भनना दुख वेदे तिएमूं भननी पर्याय ।

षजीव ना पांच भेद—धर्मास्ति, चधर्मास्ति, षाकागासि, काल, गुद्गलासि यांकी द्रव्य गुण पर्याय करें हें—

द्रव्य तो एक धर्मान्ति, गुण चालवानी साभा



द्रव्य तो निर्करा गुण देश यक्ती कर्म प्रदेश तोड़ी घो जीव उनलो घाय, पर्याय चनना कर्म प्रदेश है तिण सूं पनन्ती पर्याय।

ट्रब्य तो वन्ध, गुण जीव ने बांध राखवा रो, यि भनन्ता कर्म प्रदेश क्षरी बांधे तिण सूं भनन्ती। र्शिय।

द्रव्य तो मोघ, गुण पात्मिक सुन्छ, पर्याय पनन्त में प्रदेश चय ह्यां पनन्त सुन्छ प्रगटे तिण मूं पनन्ती श्रंय।

ाः रति नयम हारम् ॥

अथ द्शम् द्रन्यादिकरी भोलखान द्वार ॥

शेष ने पांचां दोसां करी फीलखी हो।

द्रव्य पक्षी पनन्ता हृद्य, खेत थी लीक प्रमाचे, शांत पक्षी पादि पन्त गिंश भांव थी पर्स्या, गुप भी चेतन गुप।

पक्षीय ने पांचा दोलां करी पीलकी है। इस यही पनन्ता इस क्षेत्र की नीकानीक



कने काल धकी चादि चन्त रहित, भाव घी । परुषे, गुण धकी कर्म रोकवा री गुण।

निर्कार ने पांचा बोलां करी घोलखीजे।

हट्य घको घकाम निर्कार का तो धनन्ता हट्य,

मकाम निर्कार का घक्तेच्याता हट्य, खेत घी

जीवां कने, काल घक्ती घादि घन्त रहित
भाव घक्ती घरूषी, गुण घक्ती कर्म तीड़वा री
गुण।

वस्य ने पांचा वोलां करी घोलखीते ।

द्रव्य घो पनन्ता द्रद्यः खित घको जीवां कने, काल

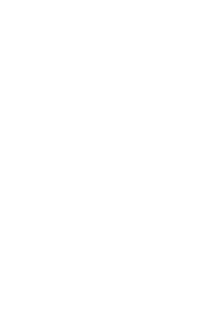
घक्षो यादि घन्त सहित, भाव घक्षो रुपी, गुप

घक्षो कमें बांध रखवा री।

मोख ने पांचा वोलां करी पोलखीजे।

द्रव्य यकी यनन्ता द्रव्य, खेत यकी जीवां कने,
काल यकी एकिक सिद्धारी यादि यन्त नहीं,
एकिक सिद्धारी पादि है पण यन्त नहीं, भाव यकी
यक्षी, गुण एकी यात्मिक सुख।

धर्मास्तिकाय ने पांचां वोत्तां करी घोत्तखीजे।
द्रव्य घकी एक द्रव्य, खेत घी लोक प्रमाये, काल
घको चादि चन्त रहित, भाव घको चल्पी, गुप
- यक्ती जीव पुहल ने चालका से सामा।



पने निर्देश कर्तव्य पासरी पान्ना मांहि है। पन्नीव पान्ना मांहि के वाहर १ पन्नीव पान्ना मांहि वाहर होनूं नहीं, ते किएन्याय १ प्नीव है, प्रवेतन हे, बहु है।

पुन्त, पाप, वन्त, ए तीनूं पान्ना मांहि वाहर नहीं, पन्नीव है।

भासव पान्ना मांहि वाहर दोनूं है, किएन्याय ? पासवना पांच मेद — मिट्यात १, पत्रत २, प्रमाद ३, कवाय ए च्यार तो पान्ना वाहर है। तोग पासव का दोय मेद—शुभ लोग वर्ततां निर्जरा हुवै तिए पपेचाय पान्ना मांहि है। पशुभ लोग पान्ना वाहर है।

संदर पाना मांहि है, ते किएन्याय १ संदर घी कर्म रुके ते यो वीतराग की पाना मांहि है।

निर्मरा पाचा सांहि है, ते कियन्याय ? कर्म तोड़वारा उपाय दो वीतराग की पाचा से है।

मोच पाचा मांहि है, ते किएन्याय १ सकत कर्म सुपावरी श्री वीतराग की पाचा है। : ...

इ इति प्राइस्म् द्वारम् इ



देश घको कर्म तोड़ी, देश घको जीव उज्जल घाय ते निर्करा बादरवा जोग है।

बंध ने कांडवा जोग कियन्याय कि के ? श्रामा-श्राम कर्म जीव की वंध रहा। के ते वंध तो कांडवा ही जोग के।

मोच ने चाट्रवा जोग विश्वन्याय किए जे? समस्त कर्म तृकावि ते मोच पाट्रवा जोग छै। ॥ इति हाद्रशमुहारम्॥

॥ अथ तेरम् तराव द्वार कहे छै ॥

तालाव रूपी जीव नाणवी। तलाव ते तलाव रूपी भजीव नाणवी। निकलता पाणी रूप पुन्य पाप नाणवी। नाला रूप भासव नाणवी। नाला वंध रूप संवर जाणवी। सोरी करी ने पाणी काढ़े ते निर्जग नाणवी। सांहिला पाणी रूप वंध नाणवी। खानी तलाव रूप मोस नाणवी।

> यह तेरा हार तन्त्र किया धोभीखनजी संत ॥ इति तेरा हार सन्पूर्ण 🏻

॥ अथ वावन वोल को थोकड़ो ॥

। पश्चि दोलें द्र चात्मां में कर्मा री करता किती? रोकता किती ? दोड़ता किती पात्मा ? करता



· ...

र जांग तथा दर्गन पातमा माध्य निर्धय दोने हैं। ४ जान, पारित, बीर्य, उपयोग, ए खार पातमा निर्धय है।

(हर्ते दोले पाठ पातमा में कापे किसी १ देखें किसी १ सम्बेकिसो पातमा १

लायें तो ज्ञान तथा उपयोग पातमा, देखें उपयोग पातमा, सम्धे दर्शन पातमा, कला लायें उपयोग पातमा, कर लोग पातमा, कर्म रोकें पारित पातमा, तोड़ें कींग पातमा, ग्राप्त वीर्य पातमा यो।

ण मातमे दोले उदय का इह (तितीम) दोलां में मादय किता (निर्ध्य किता) १८ माले दोल तो मादय निर्द्ध दोनें नहीं, ति कई हे खार गति १, दव काय १०, पमझी ११, पझारी १२, मेमारगा १३, पमिट १४, पविदर्शी १६, दक्षमा १८ ।

१ तीन भनो छिछ। निर्देख है।

१न कारि साहत्व है, तीत माठी लिखा है, स्थार कपाद ६, तीन बेंद्र १४, सिल्यारी १४, प्राक्ती १२



- र पाहारता, संयोगी, ए दोय वोल मोहनीय, नाम, कर्म ना उदय से।
- २ क्द्रास्य, चनिवली, ए दोय वील. ज्ञानावरणी, दर्भ-णावरणी, चनाराय, यां तीन कर्म का उदय से।
- २ संसारता, पसिङ्गता, ए दोय वील, च्यार पघा-तिक कर्म का उद्य से हिने पातमा कहें है।
- १० सतरे योज तो चनेरी चाता—
 च्यार गति ४, इव जाय १०, चत्रती ११, चस्त्री
 १२, चन्नाची १३, संसारता १४, चसिह १५,
 चित्रचली १६, इन्हास्य १०।
 - पाठ वील जीग पातमा इव लिग्ना ६. पाशारता ७, संयोगी ८।
 - ४ चार कषाय कषाय पात्मा।
 - इ तीन वंद कोई कपाय कहे कोई पनेरी कहे।
 - । मिळाती दर्शन चात्मा ।
- ट्यमें बोले जीव ने जीव जाये यावत सीच ने मोच जाये ते किसे भाव १ चायक, चयोपयम, प्रतिपामक, ए तीन भाव ।
- ११ इग्वारमें बोले जीव ने जीव लाएँ, यावत मीच ने मीच लाएँ, ते किसी चातमा १ उपयोग चने जान चातमा !



उद्य निपन्न इव में कोण, नव में कोण १—इव में जीव, नव में जीव चासव। उपमम निपन्न एव में कीण १ नव में कीण १—इव में जीव, नव में जीव, मंबर। चायक निपन्न, इव में कीप १ नव में कीण १—इव में जीव, नव में ४ जीव मंबर, निर्जरा, मीच। चयीपमम निपन्न इव में कीण १ नव में कीण १—इव में जीव, नव में इ जीव, मंबर, निर्जरा। परिणामिक निपन्न इव में कीण १ नव में कीण १—इव में इव नव में नव।

१५ घंटरसे दोले चाठ कर्मनी उदय, इव में, नव में कीय १—जानादरदी, ट्रजनावरदी. मोहनीय, चनाराय, ए च्यार कर्मनी उदय की इव में पुप्तन, नव में कीन—चजीव, पाप; वंध । येदनी नाम गीत चायु ए च्यार कर्मनी उदय दव में पुद्रन नव में च्यार, चनीव, पुन्य, वंध ।

१८ मीनमें बोले मोहतीय कर्मती उपग्रम इद में कोर १—तद में बाद १ इद में पुटल, तद में तीन, पत्रीय, याप, येथ । वाकी मात बर्मती उपग्रम होते नहीं ।



ज्ञानावरणी, दर्शनावरणी, भन्तराय, यां तीन कर्म रो चायक निपन्न छव में जीव, नव में जीव निर्जरा। एक मोहनीय कर्म रो चायक निपन्न छव में जीव, नव में जीव, नव में जीव संवर निर्जरा। वाकी च्यार अधातिक कर्म की छव में जीव, नव में जीव, मोच। च्यार अधातिक कर्म रो तो चयोपशम निपन्न होवे नहीं। ज्ञानावरणी दर्शनावरणी, भन्तराय, यां तीन कर्म को चयोपशम निपन्न तो छव में जीव, नव में जीव, निर्जरा। मोहनीय कर्म को चयोपशम निपन्न छव में जीव, नव में जीव, संवर निर्जरा।

किसे किसे गुण ठार्थे— ज्ञानावरणी, दर्धनावरणी, घन्तराय, नाम, गोत

प्रानावर्या, दशनावर्या, पन्तराय, नाम, गात

प पांच कर्म नीं वंध पहिला गुय ठायां से दशमां
गुय ठायां ताईं।

मोहनीय कर्म नीं वंध पहिला गुण ठाणां से नवमां गुण ठाणां ताई।

पायु कर्म नों वंध पहिला गुप ठायां से सातमां -ताईं। तीज्ञो गुच ठायों ठाली।

वेदनी कर्म नी वंध तेरमां गुच ठापां ताई।



सोहनीय नों उपजम निपन्न ती चीया से हर्ग्यारमा तांई चारित मोहनीय की इरगारमें गुण ठाणे ही। जानावरणो, दर्जनावरणी, अन्त-राय ए तीन कर्म नों चायक निपन्न तैरमें चोट्में गुण ठाणे तथा श्री मिह भगवान में। दर्जन मोहनीय की चायक निपन्न चीया गुण ठाणां से चीट्मा तांई। चने चारित मोहणी की दारमा से चीट्मा तांई तथा श्री मिह भग-वान मांहि।

वेदनी, नाम, गीत पायु ए च्यार कर्म नीं चायक .निपन्न गुण ठाणां में पाने नहीं, थी सिद्ध भग्-

बान में पावै।

न्नानावरणी, दर्शनावरणी, चन्तराय ए तीन कर्म नी चयोपणम निष्त्र तो पहिला से वारमा गुप ठाणां तांद्र।

दर्शन मोहनीय को चवीपशम निपन्न पहिला से सातमा गुण ठाणां तांद्री।

चारित मोहनीय नों चयोपणम निपन्न पहिना से दणमा गुप ठापां तांद्रे।

चार पवाति कर्मनीं चयोपणम निषद्ग होवे



पावे कपाय, लोग, मन, वचन, काया, ए पांच लाणवा। इग्यारमें वारमें तैरमें चार पावे कपाय ठली। चीदमें पासव पावे नहीं। हिवे संदर की बीम बोलां की विगत—पिहला में चउघा गुण ठाणां तांई तो संदर पावे नहीं, पांचमें गुणठाणे एक समक्ति संदर पावे, सम्पूर्ण ब्रत ते संपर पावे नहीं।

देश व्रत पांचे ते लेखन्यो नहीं।
इहें गुणठाएँ २ (टोय) पांचे ममक्ति. व्रतते.
मातमा मे दशमा गुण्ठाणां तांदे १५ (पंद्रक्र)
मंदर पांचे: पक्षाय, पक्षोग, मन, दलन,
कारा ए पांच टन्या।

इस्यार्थ्य में तरमे गुष्ठापां तांई १६ सीलह स्दर पार्डे, पशीग, सन् दचन, काया, ए स्यार टम्या।

चौद्रमें गुणठाणे २० वीस्हूंही संबर पाये। २० बाईम में शेलें चौदा गुण्डाची विस्तो भाव विभी चामा ? पहिलो दृष्टी शीकी गुण्डाची ती भाव दीय—

चेवेदरम परिचामिक, चाका दर्भतः चौदी

- ' गुणठाणो भाव चार—उदय, वरजीने **पाल**े

ु... दर्शनः। িং पाचमू गुणठाकी, भाव दीय—অधीपणम-परि णासिक, चात्मा देशचारित।

कट्टा से दर्गमा गुलठाणां तांद्र भाव दीव-चयोपगम परिणामिक, पातमा चारित । रथा रम् गुणठाणी भाव दीय-उपग्रम पारिवामि

पातमा चायक चारित। ्वारम् गुणठाणीं भाव दोय—चायक परिवापिक, भातमा चायक चारित। तरम् गुगठायो भाव दीय—वायक परिवामि

चातमा उपयोग । च उट्टमीं गुणठाणी भाव परिणासिक पाता

चनेशी।

२३ तेवोसमें वोले धर्म पथर्स किस्यों भाव विशे ्राक्ता १

धमें भाव १ (ज्यार) उदय टाली, बाह्मा तीर दर्गन, चारित्र, जीग। चधर्म भाव दीवं वहरै परिचामित्र, पात्मा ३ तीन, कपाय, कीग, दर्गन।

द्ध भीवीसमें वीले द्या हिन्सा किस्यी भाव किसी . . पाना ।

- ··· ह्या भाव ४ (च्यार) उद्य वरती ने, चात्सा २ (होय) चारित, जीग।
- ि हिन्सा भाव २ (दीय) उदय परिणासी पात्सा जीग इद में नवसें का वीज कहणा।
- २५ पर्चीसमें बीर्चे शुभ जीग चशुभ जीग किस्यी भाव किसी पात्सा ?
 - शुभ जोग तो भाव स्थार-- उपशम वरजी ने, पातमा जोग।
 - षश्चभ जोग भाव दोय उट्ट परिणामी, षात्मा जोग । इव में नव में का वील कहणा।
 - २६ इदीसमें बीले व्रत पत्रत किस्यो भाव किसी पाता ?
 - जित भाव ४ (च्यार) उदय वरकी ने, पात्सा, चारित। पत्रत भाव २ (द्रोय) उदय परिधामी पात्सा पनेरो।
 - २० सत्तावीममें वीजे पञ्च महाव्रत पञ्च सुमिति तीन गुप्त किरयो भाव किमी पातमा ?
 - ः पञ्च महावत तीन गुप्त तो भाव ४ (च्यार) उदय
 - तरको, पात्मा चारित ।
 पांच सुमित भाव तीन—चायक चयोपगम, परि पामिक, पात्मा कोग ।



३३ तेतीसमें वोले घठारे पाप ठाणा रो उदय उप-शम चायक चयोपशम निपन्न इव में कीण नव में कीण १

उदय निपद्म छवमें जीव नवमें जीव पासव। उपगम निपद्म छवमें जीव नवमें जीव संवर। सतरा (१०) को तो चायक निपद्म छवमें जीव नवमें जीव संवर, एक मिख्या दर्गन गल्य को छव में जीव नवमें जीव संवर निर्जरा, घयोप-गम निपद्म छव में जीव नव में जीव संवर निर्जरा।

२४ चीतस में वो जै वारह व्रत को द्रव्य खेत काल भाव राखे तहनी विगत।

पहिला व्रत से भाठमा व्रत तांई तो द्रव्य धकी भाषार राखे ते द्रव्य उपरान्त त्याग, खेत्र घी सर्व खेवा में, काल धकी जाव जीव, भाव धकी, राग देप रहित उपयोग सहित गुण धकी संवर निर्जरा। नव में व्रत द्रव्य खेव कपर परिमाणे काल धकी एक महुरत भाव धी राग देप रहित, उपयोग सहित, गुण धकी संवर निर्जरा। दशमूं व्रत द्रव्य खेव भाव गुण तो कपर परिमाणे, काल धकी राखे जितनो काल इग्यारमीं व्रत की



दर्भन मोहनीय को जायक निपन्न चीया से चीदमें गुणठाणे तथा सिद्धां में। चारित मोहनीय की जायक निपन्न बारमें

त्रिमें चीरमें गुणठाणे ।

रर्शन मोइनीय को चयोपशम निपन्न पहिला

से सातमां गुण्ठाणे तांई।
चारित मोहनीय को चयीपणम निपन्न पहिला
से दशमां गुण्ठाणां तांई।

३० संतीस में वेलि पाठ बात्मा में मूल गुप कितनी उत्तर गुप कितनी —

तृत गुप एक चारित चातमा, उत्तर गुप एक कोग चातमा। बाकी दोनं नहीं।

इट चड़तीसमें बोले चाठ चातमा किसे भाव किसी

पातमा—चातमा तो चाप चापरी, द्रव्य पातमा
तो भाव एक परिषामी, कवाय चातमा भाव
दोय उदय परिषामी, लोग चातमा भाव द्यार

उपगम वरकी नै, उपयोग चान वीर्य ए तीन

चारमा भाव तीन सायक स्योपगम परिषामिक,

दर्भ न चारमा भाव पांचींही।

सारित चारमां भाव स्थार उद्य वरकी।



एक परिणामिक चात्मा घनेरी। सम्यक ते संवर भाव ४ (च्यार) उदय वरकी ने, पात्मा दर्शन। पप्रमादी संवर भाव च्यार उदय-वरकी पात्मा पनेरी। वाकी १३ (तेरा) संवर का वील भाव ४ (च्यार) उदय वरकीने पात्मा चारित।

४२ वयानीम में बोनी पन्दरह जोग किसे भाव किसी पातमा. जीव, पजीव तथा रुपी परुपी की विगत।

भाव की विगत।

सलमन कोग मल भाषा व्यवहार मन कोग, व्यवहार भाषा, पीट्रारिक ए पांच कीग भाव चार उपगम बरको ने । पीट्रारिक को मिग्न, कार्मप ए दोग्य कोग भाव कीन उट्ट चायक गरिपामिक । पमल मन कोग, मिग्न मन कींग, चमल भाषा, मिन्न भाषा बिक्तिय नी मिन्न, पाहारिक ने मिन्न ए घन कींग भाष टीय उट्ट परिणामिक, घाहा-रिक बेंके ए दोय कोग भाव है। उट्ट घटी-प्रम परिचामी।



नी हा, स्पर्श । भाव घी पांच श्रुत च छु घाण रस स्पर्श एवं छवमें कीण नव में कीण ? भाव इन्द्री छव में नीव नव में नीव निर्नरा, ते किणन्याय दर्शनावरणी कर्म चय उपणम घयां घी जीव इन्द्रिय पणी पाम्यो इणन्याय।

अ चमालीसमें वोले जीव परिणामी रा १० वोल किसी भाव किसी भात्मा ?

गित परिणामी भाव दीय, उदय परिणामी, षातमा प्रनिरी। कथाय परिणामी भाव दीय उदय परिणामिक, षात्मा कपाय। वेद परिणामी भाव उदय परिणामी पात्मा कपाय तथा प्रनिरी। योग परिणामी लिंग परिणामी भाव च्यार उपगम वरजी ने पात्मा योग। इत्द्रिय परिणामिक भाव दीय, चयोभगम मरिणामी, षात्मा उपयोग। ज्ञान परिणामिक उपयोग परिणामिक भाव तीन चायक चयोगगम परिणामी भातमा पाप पापरी। दर्शन परिणामी भाव पांचीं ही, पात्मा दर्शन। पारित परिणामी भाव उदय वरजी ने पात्मा, पारित।

ऐप पैंतालोसमें बोल नीव परिणामी रा १० (दश) बोल हव में कीण नव में कीण ?



्सात नारको १ तेउ २ वायु ३ वेइन्द्रो ४ तेइन्द्रो ं ५ चीइन्द्रो ६ पसन्नी मनुष्य ० चसन्नी तिर्यञ्च ८

ं यां में तो ३ माठी लिग्या पावै।

पृथ्वीकाय १ चप्पकाय १ वनस्पतिकाय १ भवन
पतिकाय १० वानव्यन्तर १ यां चीदह द्राडकां
में लेश्या पार्वे ४ पद्म श्रुक्त वरको ने। कोतपी
ं पने पहिला टूजा देवलोक का देवतामें लेश्या
पार्वे १ तेजू। तीजा से पांचमां तांई पद्म। छट्टा

े देवलोक से सवार्ध सिद्ध तांद्र पावे १ ग्राज़ । सद्रो मनुष्य सद्री तिर्यञ्च मं लेग्या पावे छव ।

सर्व ज्यालिया में ४ च्यार पद्म श्रुक्त टली।

पड़वालीसमें बोले पर्जीव ना चीरह भेर कंचा नीचा तिरहा लोक में कितना? जंचा लोक पर्ने पर्दी हींप बारें १० पावे। धर्मान्त पध-मोन्ति पाकाशान्ति की खन्म पर्ने काल ए प्यार टन्छा।

नीची लोक चढ़ाई द्वीव में ११ (इग्यारे) भा काल चाँग बच्ची। कांची दिशि में ११ (इग्यारे मार्च नीची दिशि में १० मार्चे अ

धर गुदचामते दोले (स्थार)

T. Biff. E ER WIN (4)

घौबीस दग्डक एवं ५३ स्ट्राः ५६ स्यावर ५० मर्याप्तो ५८ पपर्याप्ती सठ वोल किसो भाव किसी पातमा ? परिचामी, पातमा पनेशी, इव में कीय ? क्वमें जीव नवमें जीव। निर्देख दोनं नहीं। ५ • पचासमें बोले २२ (बाईम) वार्म की उदय तथा क्य में नवमें की ११ इग्यारे परीयह तो बेटनी कर्मना २ दोय जानायरकी कर्म ना उद्यं स पाठ मोइनीय कर्म ना उदय है। र पन्तराय कर्म का उटय से 1 एवं में जीव नव में जीव निर्वशी र उक्यावनमें योन्ते सबीस पदवी किस्य

भारता १ १८ उगवोम पदवी तो भाव २ (व्यक्तिक, भारता पत्रेशे । १ जिवकी महाराज जो पदवी भाव परिचासिक भारता उपयोग । १ माधुत्री महाराज को पदवी भाव ४। उदव बरत्री भारता भारत । धादक की पड़की भाव २ (होय) चयोपमा परिषामी, चात्मा, देश, चारित।

स्तरहिष्ट की मद्दी भाद १ (चार) उद्दय दर्दी मात्सा, दर्शन।

उगरीत पहती तो इन में जीव नव में जीव समदृष्टि की पन किवली को पहती इन में जीव नव में जीव निर्जरा। साधृ धावक की पहती इन में जीव नव में जीव संवर।

२ बादनमें बोले नद तत्व का ११५ (एकसह पंदरह) बोज की

चीव कितना—जीव तो ७० सत्तर तेहनी विगत चीव का १४ पासव का २० संबर का २०

निर्जरा का १२ मोच का ४ एवं ० ।

चजीव ४५ तेइमें चजीव का १४ पुन्य का ८ (नब) पाप का १८ (चठारा) यंभ का ४ (च्यार) ं एंदं ४५ ।

सादय कितना निवय कितना ?

निर्देश तो ३६ तिपमें निर्देश का १२ संबर का २० मोच का ४ ए इदतींस।

सावद्य १६ तिपसे चासव का १६ (सन वचन काया जोग एच्यार ठल्या)।



॥ किसे भाव ॥

पजीव का ती भाव एक परिणामिक १४ जीव २० पासव का ए चीतीम बीज भाव दीय य परिणामिक।

रका २० (बीम) वोलां में से १५ पन्दरहती व च्यार उदय वरजी ने, धने धकषाय संवर व ३ (तीन) उपशम चायक परिणामिक, जीग मन वचन काया एच्यार भाव एक परि-मिका।

र्जराका १२ वील भाव ३ तीन चायक चयोपश्रम रिणामिक।

मोच का यामें से जान तप ए दोय तो भाव गैन चायक चयोपणम परिणामी, चने दर्शन चारित् र दोय भाव च्यार उदय वरजी ने।

॥ इति सम्पूर्ण ॥

॥ जाणपणा का पञ्चोस वोल ॥

१ देव परिइन्त, गुरु नियन्त्र, धर्मा केवली परुष्यों ये तीन पमृत्य रत्न है।



'प्यशं साधू मुनिराज ने निद्धेष भाहार पायी वहि-रादे तथा मन वचन काया का शुभ कोग वरतावे जेह निर्देश करची जिन चान्ना से है तेह घी पाप दय होय पुन्य वंधे, सूत्र भगवती शतक प्रसे उद्देशे रे से जान विना क्रिया करे तेइ ने देश चाराधक कह्यों है, नेव क़ुमार हायों रा भव में मुसला ज्यान-वर नौ द्याकरी चापणो पग संचो गाल्यो घणो कष्ट सद्यो तिएमं प्रति संसार करी मनुष्य नो बाजखो बांध्यो, उत्तराध्ययन ७ सातमें मिखातीने निर्नरा पायी सुनती जञ्चो है, भगवती शतक ध में उद्देशे इर में पत्तीचा केवली चिक्तारे प्रथम गुणठाणाराधणीरा शुभ र प्यत्रसाय शुभ परिचाम विशुद्ध लिख्या कही है।

रध साधू मुनिराज पवित निर्दोष पाहार भी-गर्न पने ठंडो वासी पाहार पाणी में वेन्द्री पादि वीव हवे तो नहीं भीगवे परन्तु वेद्रान्द्रियादि तथा प्वरादि नहीं होवे तो ठंडो वासी दाहार भोगवतां रोष नहीं उत्तराध्ययन में गावा १२ मी में गातिक पिएड पाहार लेगो कह्यो तथा पाचारंग कि संव १ पर्यन में उद्देशे ४ चीये गावा १३ में भगवान ठंडो चाहार पोल्यो लियो कह्यो है

निशं टीकामें वासी भात कच्ची तया प्रश्न व्याकरण







॥ अथ लघुद्राडक लिख्यते ॥

पहलो झरोर हार ।

गरोर ५ — पीटारिक १ वेजिय २ पारास्थि ३ तेइस

४ कार्मेष ५ ।

सातों ही नारको सीर सर्व देवताओं में ग्रारीर पार्व तीन—वेक्षिय । तिलस २ कार्सर ३।

चार घावर, तीन विकलिन्द्री में, तथा पसब्री तिर्देश, पमब्री सनुष्य, मर्देयुगलियां में शरीर पार्वे र-पीटारिक शतिज्ञम २ कार्मण ।

वासकार, नद्गी तिर्यंश्व पंचेन्द्री मनुष्यपीमें यरीर पावै ध—पीदारिक १ वैज्ञिय २ तेजस ३ कार्मण ४ ।

गर्भेज मनुष्यों में गरीर पावे पाचंही ॥

मिद्धां में शरीर पावे नहीं ॥

त इति प्रथम शरीर हारम् व

॥ दूजो अवगाहना द्वार ॥

वधन्य प्रवगाहनां पांगुल की पसंख्यातसंभाग, व्यक्तिश हजार लोजन जासेरी।

उत्तर वैक्रिय करें तो जघन्य तो भांगुल को सं-ख्याताल भाग, उत्कृष्टी लाख जीजन भाभेरी।



ः सातवां तथा चाठमां देवलील का देवतां की चव-गाइनां ४ च्यार हाथ की । नवमां, दशमां, द्रश्यारवां, तथा वारवां की ३ तीन हाथ की चवगाइनां होय। १ नव सैवेयक का देवां की दोय हाथ की।

मांच पनुत्तर विसान का देशं की चवगाइनां १ एक इाय को।

देवता उत्तर वेक्तिय करें तो जघन्य तो पांगुल को संख्यातक भाग, उत्क्वधी लाख जीवन की प्रवगाइनां लाखे।

वारवां देवलोक के स्तर का देव वैक्रिय करें नहीं। स्वार यावर तया ससद्री मनुष्य की लघन्य, इस्तरी सांगुल को ससंस्थातवां भाग।

वनस्पतिकाय की श्वव विषय तो शांगुल की प्रसंख्यातक भाग, उत्कृष्टी प्रजार बोजन वाभेरीः कमल फल को भपेचा।

विद्रन्द्री की घव॰ १२ को जन की, उत्क्रष्टी। तिद्रन्द्री की घवगाइनां ३ को स की. उत्क्रष्टी। वीरन्द्री की घवगाइनां ३ को स की. उत्क्रष्टी। चीरन्द्री की घवगा॰ ४ को स की, उत्क्रष्टी। घनें द्रघन्य घांगुल की धसंस्थातवें भाग। तिर्देश्व पंचेन्द्री का ५ भेट—

् १ जलवर सन्नी घसनी की १००० जोजन की।



र कोम की, प्रश्विम प्रस्यक वासका की र न की, प्रेवकुरु प्रचल बुरुका की व कोस की, फलर हीपका की ८०० धनुष की प्रमहा विदेह का मनुष्यां की ५०० धनुष की । सिद्धां की जवन्य र हाय प्रधानुक की उत्कृष्टी व धनुष, र हाय प्रधान की ।

॥ तीसरो संघयण द्वार ॥

संघयन ६ तहना नाम बच्च स्टब्सनाराच १, भनाराच २, नाराच ३, चर्ध नाराच १. कीलकी हेवटो ६ एवं।

नारकी देवता में संवयण पावे नहीं।
यादर, इ दिकलेन्द्री, चसनी मनुष्य, चसनी
भेष में संवयण १ हेवटी गर्भेज मनुष्य तिर्येश्व में
यण पावे ६ छहुं ही, सर्व युगलिया वेसठणला
पुरुषों में संवयण वच्च ऋषभ नाराच पावे।
सिक्षी में संवयण पावे नहीं।

वयस मान नहा ।

॥ इति संधयण द्वारम्॥

॥ चौथो संठाण हार ॥

. संस्थान ६--तिहना नाम-समधीरंस १, निगव-



(१४७) जो है। २४ दंडकों में संज्ञो है पाने, मनुष्य पसंज्ञी

॥ इति संद्या द्वारम् ॥

हुता पण होय सिद्धा में संन्ना नहीं।

॥ सातमू लेख्या द्वार ॥

त नारकी में पावै = माठी (द्रव्य लेक्या लेखवी)

हनी विगत।

पहली दूमरी में पावे १ कापीत ।
तीबी में कापीत वाला घणा, नीलवाला घोड़ा

चीयों में पावे १ नील । पांचमी में नील वाला घणा, क्रप्य वाला घोड़ा

च्ही में पावे एक क्षणा। मातमी में पावे १ महाक्षणा।

नेपति वानव्यन्तर, देवतां सें लेक्झा पावे ४ पद्म

क टनी (द्रव्य चेल्वी) पृष्वो प्रप्यावनस्पतिकाय में तथा मर्वे युगलियां

चैम्या पावे ४ प्रथम । वैड वाडकाय, ३ विकलिन्द्रो, चसद्रो मनुष्य,

्रेवेड वाडकायः ३ विकलेन्द्रो, पसन्ना मनुष्यः, विषयं में चित्रया पात्रे ३ माठी ।

् बोतिषो, पहला टूजा देवलोक तदा पहिला

क्षिपी में लेक्या पावे १ तेज ।



सात नारकी वाउकाय में चार पहेली समुद्धात ,पावै, भुवनपति बानव्यन्तर जीतपी वारवां देवलीके तांई का देवता गर्भेज तिर्यञ्च में समुद्धात ५ गांहा-रिक केवल टली ४ घावर ३ विकलेन्द्री चसंत्री मनुष्य पसन्नो तिर्यञ्च सर्व युगलिया वारवां से छपर का देवता में समुद्धात ३ पावै पहली। गर्भेच मनुष्यां में समुद्दात ७ सातों हो पावै। केवल्यां में १ केवल समुद्दात पावै। तींघेंकर समुद्दात करें नहीं, सिद्दां की समुद्दात नहीं।

॥ इति समुद्रघात द्वारम् ॥

🔻 ॥ दशम् ं सन्नी असन्नी हार ॥

सन्नो के मन चमन्नो के मन होय नहीं। ० नारकी सर्व देवता गर्भेज मनुष्य, गर्भेज तिर्यञ्च युगलिया सन्नी होय। ५ घावर, ३ विकलिन्द्री, इमुर्हिम मनुष्य, इमुर्हिम तिर्यञ्च ये चमन्नो होय। मनुष्य नो सन्नी नो चमन्नो प्रण होय, सिद्ध सन्नी चमन्नो प्रण होय, सिद्ध सन्नी चमन्नो नहीं होय।

🛚 इति सन्तो असन्ती द्वारम् 🗓

॥ इग्यारम् वेद हार ॥

^{३—वेद,} स्तो १ पुरुष २ नपुंसक ३। ० नारकी,



। तेरमूं दृष्टि हार ॥

दृष्टि इंसम्यक् १ मिष्टात २ समिष्या दृष्टि ३ एवं ३ होय ।

० नारको, १२ वारमां देवलोक तांद्रे देवता, गर्भेज मनुष्य गर्भेज तिर्वेश्व में दृष्टि तोनूं हो होय। १ यावर में, षसन्नो मनुष्य में, ५६ षन्तरहोप का युगेलिया में दृष्टि १ मिन्यात्व दृष्टि पावे। ८ येविकका देवतां में, ३ विकलेन्द्रों में, षसन्नो तिर्वश्व पंचेन्द्रों में, १० षडम भूमिका युगेलिया में दृष्टि २ सम्यक् १, मिन्या २ पावे ५ षनुक्तर विमान का देवता सिद्धां में दृष्टि १ सम्यक् पावे।

॥ इति इष्टि हारम् ॥

॥ चौद्मूं द्र्शन हार ॥

दर्भन ४ — चत्रु १, घचतु २, घवधि ३ घीर केवल दर्भन एवं दर्भन ४ जादवा।

० नाग्की, सर्व देवता में गर्भेज तिर्येष्ठ में दर्शन पत्त १. पष्पत्त १. प्रविध है। गर्भेज सनुष्यां में दर्शन १ होये, ५ धावर विद्रन्द्री, तेद्रन्द्री में, दर्शन १ -पद्म पावे। इमुर्दिस तिर्येष, सनुष्य, सर्व युगन्दिर्य



हुत प•२, चनुत्तर का देवता में सिद्धों में पद्मान गर्देनहीं।

1: इति अज्ञान हारम् ॥

॥ ९ ९ सतरम् योग द्वार ॥

योग १५ — मन का ४, सत्य मन १ यसत्य मन २ मिय मन १ व्यवहार मन एवं ४ वचन का जोग ४ — स्व वचन १ यसत्य वचन २ सिय वचन ३ व्यव- हार वचन १ यसत्य वचन २ सिय वचन ३ व्यव- हार वचन एवं ४। काया का जोग ७ — घोटारिक १ पोटारिक को सिय २ वैक्रिय ३ वैक्रिय को सिय ४ पाहारिक को सिय ६ कार्मिय ७ एवं १५।

० नारको सर्व देवता में जोग पावे ११ मन का ४ विनय का ४, बैक्लिय ६, बैक्लिय को निम्न १० कार्मप ११, सर्वयुगलियां में योग पावे ११ मनका ४, बवन का ४, पीट्रास्कि ६, पीट्रास्कि को निम्न १० कार्मप ११ वाडकाय वरकीने, ४ स्थावर, पसन्नी मेनुष्य में योग पावे ३ घीट्रास्कि घीट्रास्कि को निम्न कार्मप। तीन विक्तिन्द्री, समन्नी तिर्यस्न पंचेन्द्री, में फावे ४ घीट्रास्कि १, घीट्रास्कि निम्न २ व्यवकार भाषा ३ कार्मप ४। वाडकाय में योग पावे ५— घीट्रास्कि १, घीट्रास्क निम्न २, येक्ले ३ बेक्ले निम्न



गर्भेज सनुष्यां में उपयोग पावे १२ सिद्धां में परोग पावे २ केवल ज्ञान १, केवल दर्शन १।

॥ इति उपयोग द्वारम् ॥

॥ १९ उगणीसम् आहार हार ॥

उद्गीम टंडक का छीव ती हकुँकी दिशा की सार मेंडे।

। पंच पादर तीन च्यार पांच दव दिशि की ग्रास लेदें।

केतला मनुष्य चटचाशारी पट रोय, सिह स्टाल चारार सिहे नहीं।

॥ इति भारार हारम् ॥

॥ बोसम् उत्पति हार ॥

्रनारकी, पांठवां देवतीक तांई का देवता. हैट. बाद काय. व दिवसिन्द्री, पमझी मनुष्य तिर्देश केंद्रतिकां में क्रदित पांचे गति व की. मनुष्य विश्वित

नामी देशलीक से सरवार्य मिह तांई का देशता में उत्तरित पाडे १ समुद्धा गति की । पूर्णी पाछ करावितवार से क्षणित पाडे क किन्दी (नारकी दर्मी)



इंडार वर्ष की उत्क्षष्टी १ सागर की, यांकी देखां की ज्ञंचन्य दश इजार वर्ष की उत्क्षष्टी ३॥ पत्थी-पनकी।

दिचिय दिशि का धनी निकाय का देवतां की विषय १ • इजार वर्ष की उत्क्रष्टी १॥ पत्छोपम की यांकी देवां की जघन्य १ • इजार वर्ष जिल्हारी ॥ पीय पत्छोपमकी ।

उत्तर दिशिका प्रमुर कुमारांकी वधन्य १० इजार वर्ष की उत्क्वरी १ सागर जामेरी यांकी देव्यां की वधन्य दश हजार वर्ष की उत्क्वरी शा साडा

चार पल्योपम की।

उत्तर दिशि का ८ निकाय का देवतां की लघन्य १० इजार वर्ष की उत्तरही देश क्यों दोय पत्यो-एमम की, देव्यां की जघन्य १० इजार वर्ष की उत् कष्टी देश उर्थों १ पत्योपम की ।

नव्यन्तर देवतां की स्थिति।

ज्यन्य १० हजार वर्ष की उ० १ पत्नीपस की, ' बांकी देवयां की जयन्य दश हजार वर्ष की छ० । प्राथा पत्नीपन को, तिस्तमका देवां की सी दतनी हो।

तियो देवां की स्थिति।



- ्रमगदेवलोक सेंब १ पल्य जाभेगै उ॰ २ मागर लाभेरो, यांको देहवां की लघन्य १ पत्य जामेरी, उ॰ परिचही की ८ पत्य की, प्रपरिचही की पृथ पल्छीपम की।
- । तौसरा टेइलोक में ब॰ २ सागर उ॰ ७ सागर की
- । षीषा देवलोक की ल॰ २ सागर लामेरी उ॰ ० मागर झामेरी।
- । पांचवां की जन् । सागर उन् रन्सागर की।
- (इट्टा देवलोक का देवतां की ज॰ १० मागर उ॰ १४ सागर की ।
- ्मातबांकी जिल्हा उल्हानर की।
- पाठमां को सं १० उ १८ मागर की।
- ८ नःसंकी छ०। ८ च । १८ सागा की।
- . दरमां को छ॰ १८ उ॰ २० मागर की।
- े रायारमां की चन्द्र उन्दर्श मागर की।
- दि सारमां की जन्दर उन्दर सागर की।
- !! रहिला देदिह की छ॰ २२ छ॰ २३। ी टूमरा देवेदक की क. २३ छ. २४।
- धि हीत्रमा चेदेवह की ह्राच्या २५ उ० २४।
- स कीया देवेटह दी बच्च २० ४० वर्ग
- रि रोपमी देवित की बदमा २१ उ॰ २०।



की १ कोड़ पूर्वकी, यल चर सज्ञीकी ३ पल्योपम उद्गी की ८४ इजार वर्ष की, उरपुर सज्जी की पूर्व की, चसज्ञी की ५३ इजार वर्षकी, भुजपर की कोड़ पूर्व की, चसज्ञी की ४२ इजार वर्ष की, सज्ञी की पर्योपन के चसंख्यातमूं भाग, चसज्ञी र हजार वर्ष की। चसज्ञो मनुष्य की ज॰ ड॰ सहर्त्त की।

मनुष्य को स्थिति, ज॰ यन्तर मुहर्त्त की उं ५ भर्त ऐर्भर्त का मनुष्यां की चन्नसर्पियी की पहिलो पारी लागतां इ पत्य की, उतरतां २ . पर्य की, दूसरी लागतां २ पर्य की. उतरतां १ परव की, तीसरी जागतां १ परुष की, उतरतां क्रोड़ पूर्व की चौघा पारी लागतां क्रोड पूर्व की, जतरतां १२५ वर्ष की पांचमं लागतां १२५ वर्ष को उत्तरतां २० वर्ष को, इट्ठो लागतां २० वर्षे की। उत्तरतां रह वर्ष की। उत्सर्पयी कात में इमहिज चढ़ती कहवी, पांच महाविदेष विवा की १ कोड़ पूर्व की उन्करो स्विति। तिच्यां को म्वितः—

५ हेनद्द्य, ५ घनचढ्यको की झा देश उपी १ े देख्य ७०१ मल्द की।



(((1) . पदन १ मनुष्य की । सातमी नारकी में तथा तेउ

🗷 में परन १ निर्देश गति की ही। गर्भेड मनुष्य तिर्देश, पमद्रो तिर्देश, पंचेन्द्री में क सारं शे गति की, युगलिया में चदन १ देव

। रति चयन हारम् ह

॥ २४ म् गतागति हार ॥

न भी मिद्दां में चदन पादे नहीं।

रानी में दही नारकी तांई गति २ इरडक, रित २ दरहकां की सनुष्य, तिर्वेश्व पंचेन्द्री।

ह साहसी नाग्यों में सागति २ इस्डवां की, गति

रिरंग्ड रेकेट्री की, मत छाट्डी। धारमति, बारयनाः, ज्योतिषी, पश्चि दृष्टा देव

रेके तथा परिमा किमांडियी दिवतों की, पागत २ (लंदर: को (समुद्ध तिर्देश की) सति ४ उत्हरना की

र्न्देश मनुष्य द्वी रूप दरम्यति की रेका देशकोड में चाहमां देशकीय तांदे गता

रि व वर्षा के (मनुष्य तिर्देश) सदमां देवलीक िकारतं विकासं रूपारतः । समुख्य की ।

्रिक्ष र तात्व र सनुष्य कर । रिक्षी पम प्रशासीत बाव की पासत २० दश्हकों र र पक्षी हमी) समि १० —इस्टकों की ४



ोलार्ज नहीं मनसा नायसा नायसा. ट्रव्य घकी एहिज द्व्य खेत घकी सर्व खेतां में, नाल घकी नाव नीव लगे, पाव घकी राग देव रहित उपयोग सहित. गुण घकी वंदर निर्जरा, एहवा न्हारं ट्रजा व्रत विषे चित्वार होष लागा होय ते भालोर्ज।

किगो प्रते कुड़ो चाल दियो होय १ विनो वात प्रगट करी होय २ ना मरम प्रकाश की वा होय ३ विश दीवी होय ४

रो

लिस्बो तमा मिक्साम दुस इं

दायाउ विरमणं हेनो के को निनर्तनो द्रव्य न खणी त बाठ ी वस्तु इत्या ते चीरी

> त्रिं वायसा सर्वे खेलांसे, ादेप रहित, ाएहवा न्हारे

ा एइवा न्हार य ते त्रालोकां। यम जाँव वं इन्द्रों ते इन्द्रों च उरिन्द्रों पंचेन्द्रों विज प्रमराधे पाकुटी इणवानी विधि करी ने स उपवेष इण् नहीं इणावूं नहीं मनसा वायसा कावसा। द्रस्य यकी एहिज द्रन्य, खेल यको मर्व खेलां मांहि काल यकी जाव जीवलग, भाव यको राग हो प रहित उपयोग सहित गुण यको संबर निर्करा एहवा न्होंरे पहला बत ने विषे जे कोई पितवार दोष लागो होय री पाकोठां।

वस जीवनें गाढ़ें संधन यांध्या होय १ गाडा घाय घात्या होय २ चामड़ी केंद्रन किया होय ३ चित भार घात्या होय ३ भाता पायोनां विच्छोहाकोनां होय ५ । तस्स निच्छामि दुक्कर्ड ।

योरं चगुळ्य घुलाउ सूसावायाउ विस्मर्ण भोजों भणुन-' स्यूट्धाः सूर्व बोल्या निर्माणे पांचे योति करी चोलखीजे द्वेच्य- वजी कंनालिक रें भज्यकेतां सन्द

गोवानिक २ भीमानिक ३ घाषण मोसी ४ गाव मेनादि श्रीस निर्मित छेकर नदयो ने कारण झुट श्रीट भागनन में स्थानन कुड़ोनाख ५। कुड़ोनाख ५।

ing-

ि मोटको भूठ मयाँदा उपरांत बोर्ल् नहीं

30 300

बोलाजं नहीं मनसा वायसा कायसा, द्रव्य यकी एडिज द्रव्य खेत यकी सर्व खेतां में, काल यकी जाव जीव जगे, भाव यकी राग देख रहित उपयोग सहित. गुण यकी संबर निर्जरा, एहवा म्हारं दूजा व्रत विषे प्रतिचार दोष जागा होय ते पालोजं।

कियो प्रते कूड़ो भाल दियो होय १
रहस्य छानो वात प्रगट करी होय २
स्त्री पुरुषना सरम प्रकाश कीचा होय ३
स्त्री पुरुषना सरम प्रकाश कीचा होय ३
स्त्री लेख लिख्यो होय ५ तस्स मिक्हामि टुक्कड़ं

तहरी पणुळ्ला यूलाउ परिज्ञा राषाउ विरमणं कांको मनुष्रत स्थूज्यका मर्णारयो हेवो ते कोर्सको निवर्तको पंचि वोले वारी चोलखोळ द्रव्य घको खेत खणे गांठ खोलो तालो पड्कूफीकरो बाट पाड़ी पड़ी बस्तु मीटको संघिष्यांनि जाणी इत्यादि मीटकी चोरी मर्यारा उपरान्त करं नहीं कराकं नहीं मनसा बायमा कायसा द्रव्य घकी पहिल द्रव्य, खेब घको सर्व खेतांने, काल घको जाव औद लगे भाव घको राग हेप रहित, उपयोग सहित, गुण घको संबर निर्देश घरवा न्हारी तीला बतामें ज्यों कोई चित्रहार लागो होय ते चालोको।



कोषी होय ३ पराया नाता विवाह जोड्या हीय ४ प्याम भोग तीव समिलापास सिया हीय ५ तस्य मिच्छामि टुक्कडं।

त इति व

पंचमें भगाठवए घूलाउ परिस्ताहाउ विरमणं पंचमें अणुष्रत स्थूटधकी परिष्रहते धनको निवर्तची पांचा वोला करी भोलखीजे ट्रव्यधकी खेत्तु उधाई। जमीन

बत्य यथा प्रमाण, धन धान यथा प्रमाण हैं को बनी बेह प्रमाण कीथों कुसी धातु यथा प्रमाण, हिरण सुवज्ञ यथा प्रमाण कीथों खाँवें प्रांतव बोहादिनों बांदी सोनाकों वे प्रमाण कीथों बेह प्रमाण कीथों

हिएर चउप्पद यद्या प्रमाण । राजराती हार्या घोडादिक वीपर जे प्रमाण कीयो।

द्रव्य यको एडिज द्रय, खेत घकी सर्व खेता में,
चार्च यको एडिज द्रय, खेत घकी सर्व खेता में,
चार्च यको जावच्चीव लगे, भाव घकी राग हेप रहित
चपवोगं सहित, गुण घको संवर निर्जरा एडवा
चारा पांचवां पगावत में ज्यो चितवार लागा
निर्व ते पालोकां, खेलु बत्युरी प्रभाण चितकान्य
नेत है। हरस्य सुवर्ण री प्रमाण चितकान्य होय

(१८८) २, धन धान्य ने प्रमाण चतिक्रान्यु होय ३ डिंग्स

धातु रे। प्रमाय पतिक्रम्यु होय ५ तस्य मिष्टामि दुवाई। ॥ स्ति॥ छट्टो दिशि बत पांचां बोलां पोलस्बिने ट्रब्यवकी तो ऊपी दिशारो यथा प्रमाय, नोषी दिशा रो यथा प्रमाय तिरही दिशा रो यथा प्रमाय, या दिशा री

च उपट्रो प्रमाण चितिकम्यु होय ४. कुमी

प्रमाण की था तीर उपरान्त जाय कर पंच पासव हार से कं नहीं सेवाक नहीं मनमा वायमा कायमा ट्रब्य बकी तो एडिझ ट्रब्य खेब बी मर्ब में बा में, काल बकी जाव जोव लग, भाव बकी गाग हैंप रित उपयोग महित, गुण बको मंबर निर्जरा, एडवा मांडर स्ट्रा त्रन की विषे जे कोई मितचार टीय लागी

ाल यको लाव जोव लग, भाव यको राग हैं हित उपयोग महित, गुण यको मंतर निर्करा, एडवा । इंग्डें हुटा त्रग कि विषे जे कोई मितवार टोप लागी । वे तो पालीक के ची टिगा री प्रमाच पितकच्यो होय ? जीवी टिगा री प्रमाच पितकच्यो होय ? तिरही टिगा री प्रमाच पितकच्यो होय ? तिरही टिगा री प्रमाच पितकच्यो होय ? पत टिगा घटाई होय एक टिगा घटाई होय एक टिगा घटाई होय एक टिगा चटाई होय एक टिगा चटाई होय होय हो मंटिंग महित पित्रक चाल्यो चलायो होय । विकास चाली चलायो होय है ति ।

मातमं उपभोग परिमोग व्रत पांचां वोलां घोल-षित्रे, द्रव्य घकी कृत्वीस वीलां की मर्थादा ते करें है उनिषया विष्टं १ दंतय विष्टं २ फल विष्टं ३ क्तं पूछणादि विधि पल विधि हांत्रण विधि पिमंगण विष्टं ४ उवट्टण विष्टं ५ मंजन विष्टं ६ टैटनिगादि विधि उत्रणादि की स्तात की विधि ने हेट मारिय विधि बरम विषं १ विसेवम विषं = पुरम विशं ध राद विधि विलेक्न विधि पुष्प विधि पासरप विष्टं १० धप विष्टं ११ मेज विष्टं १२ प्रवासा गहणां विधि ध्रुप सी विधि হুও মাহি दीवा की विधि भेक्त पा विष् १३ उदन विष १४ सुप विष १५ में होता विश्व सायल को विधि रात को विधि महत्त्व की विवि दिगय दिए १६ माग दिए १० सहर दिहें १८ शिष की विधि । साम की विधि अधुर नथा बेलक्षीका फल र्धामन दिक्ष १८ पादी दिक्ष २० मुख्याम दिक्ष २०

सिंध विषय विष्ठ[®] २२ स्याप विष्ठ[®] २१ पद्मी विष्ठ[®] २५ ^{प्रा}र्गे प्रमुख की कैटमा सोलाकी विषि कानकी की विषि पान कुरकी किनोज़ादि पर विषि

बीहर की विधि वाली की विधि मुख्याम लांडुनाहि की

सचित विष्ठ रेथ् द्रदेय विष्ठ २६ सचित ती विषि द्रव्य की निषि ए जाबीस बोलां की सर्वाद करी, जिल उपरान

भोगकं नहीं मनसा वायसा कायसा द्रव्य यत्री, पश्चित द्रव्य खेत यत्री सर्वे खेटां में काल यक्षी वाद, जीय खेग, भाव यक्षी राग डेय रश्चित उपयोग सहित

सुण यकी संबर निर्कारा, एडवा सांहरा सातमा जते से विषे जे कोई पतिचार दोय लागे हुवे ते सालोका ॥ पद्मदावां उपरान्त सचित से पाहार कीने होय ॥ १॥ पद्मदावां उपरान्त द्वये रो पाहार कीने होय ॥ २॥ पद्मदावां उपरान्त राहिषां पधिक पहन्या होय ॥ मद्मदावां उपरान्त कपड़ा पधिक पहन्या होय ॥ ४ ॥ पद्मदावां उपरान्त कपड़ा पधिक पहन्या होय ॥ ४ ॥ पद्मदावां उपरान्त कपड़ा पधिक पहन्या होय ॥ ४ ॥ पद्मदावां उपरान्त उपभोग परिमोग पिकां भीग्या होय तथा निष्कांम दुकड़ं॥ पन्दरह करमां दान जाववां लोग है पव पादरवां लोग नहीं

इंगालकस्मे १ वर्षकस्मे २ साड़ीकस्मे ३ प्रतिकारी छुदा-- वन कर्मते पनमें सास सकट कर्मते रादिकमें दरखनादिकाटचो गाडी प्रसुखनो कर्म

ते कहे है।

(525) रंतवाधिक्षे ५ दांतको विज्ञ फीड़ी कर्म ५ तं ज्योपार कामी ४ म्यादि करं ते गार्टल सुपारी हे किराया पण्यर सादि कोड्यो रम वारिक्रंट क्षेम वारिक्रेट हा कम चमरादि । रक्तवादिको ० रस द्याचार ते स्वीपार घा, तेल सहतादि हासकी बालिस्य कमी ११ पिलख्या कर्म हिरवारिच्चे १. सन्तु निरुक्तिया कस्मे १२ हर्वाग्हाबिकां कमी १३ . स्तुको व्यामार कर घाटो प्रमुख इन प्रमुखर्ने हायहगायको ही विधयादि कर्न पसर्व जिप सा दह तालाव सोसिंदयां करने १४ स्रोंबर दूह तहाव आदिने सोपाबो ते कर्म असती ते असंतर्ता जनने रोविषया करने १५॥॥ दुति॥ ए पत्दरह कमोदान बागार उपरान्त सेया सेवाया रीयदा नी कर्म पाठमं दन्धं दण्ड विरमप व्रत पांचा बोलां शेव तस्स मिच्चामि दुइहं ॥ भोर्लाखने: ट्रब्य धको पवडमाणवरियं १ भूंड़ा ध्यानती साचरवी क्तायवरियं २ हंसपयार्ण ३ पाव क्रमीवरासं ब्याद करवी

(\$18) ए च्यार प्रकार भन्त्य दग्ड भाठ प्रकार का स्थानह चपरांना सेक नहीं ते करें छै।

पाएडिउवा १ नाएडिउवा २ बाधाविधिया १ घरके हिन भावणें हित स्वातीलाके दित मरियार हिज्या ४ मिलहिज्या ५ नागहिज्या ६ नाग देशना निमित्र परिवारके हिन मित्रके हिन

भूत देवता जश देवता जितिक **तिविश**

भत हित्रवा ० जक्त हित्रवा ८

्रद्रव्य यक्षी एडिज द्रव्य खेब यक्षी मर्व खेबा में काल यको लाव जीव लग, भाव धकी राग हैंब रहित उपयोग महित, गुब बकी मंबर निर्वाग, प्रदेव

म्हारा चाठमां ब्रत की विषे जी कोई प्रतिचार ही सागी इवं ते चानीक ।

कन्द्रपैनों क्या कीधी होय १ १ मंड क्षेष्टा कीधी होयः काम की दाको कथा को करनी आहितीयरे कुथेश करि हैं। ं मुख्से चरि वचन बोल्या होय ३ चधिवा^व

होस जाना कोइ व शक्ति कोटा यहन क्षेत्रवा वशिभीर कोडा सकाया कीय ४ उपभाग

बार बार मी मुद्दाया नया ह्यो भारतार व व बार मीत से बारे हैं की विषद् कियी ही आ:चे

पेधिक भोग्या होय ५ तस्म मिन्हामि दुकड़ं मर्पदा वपरान्त अधिक तो मिन्छामि दुकड़ं मेम्पा होप त

॥ इति ॥

नवमी सामायक व्रत पांचा बोला पोलखिने करिम भन्ते सामाद्रयं मावच्चं जोगं पद्मश्वामि कर्ष्यमें हे भगवन्त सामायक सावय जोग पपताप जाव नियम (मुहर्त्तः एक) पच्जवासामि टुविहिं वाद्य नियम एक मुहर्त्तते सेडं हुं होय करिसे दोय पड़ी

तिविष्टेषं नक्तरीम नकारवीम सनसा वायसा केंत्र जोगसे, सावय नहीं करं नहीं कराऊं मनसें घयनसें कायसा तस्म भंते पड़िक्कमामि निन्दामि गरिष्टामि रितेरसें तिल सूंदे पडिकमूं छूं निन्दू सूं गर्दण ते भगवान

रयायं वोसिरासि ॥ रेपसे भात्माने बोसराजं हूं

द्रव्य यक्ती कने राख्या ते द्रव्य, खेत यक्ती मई मेवों में, काल यक्ती एक मुहर्क तांडे, भाव यक्ती राग रेष रहित उपयोग महित, गुण यक्ती मंदर निर्द्धरा, ऐक्ष्वा नदमा व्रत के विषे ते कीर्ड पतिचार ट्रोप जोगी हुई ते पालीकां।

'(११७) - सन बचन कायका माठा ओग प्रवर्ताया होय रें पांड्वा ध्यान प्रवर्ताया होय २ सामायक में समता नहीं करी दुवे ३ चण पूगी पारी होय ४ पारवा विमाखो होय ५ तस्स मिच्छामि दक्कई ॥

: 2

॥ इति ॥

दगसी देशावगासी व्रत पांचा बोलां पोलिंड द्रव्य यशी दिन प्रते प्रभात घो प्रारंभीने पूर्वीद छन दिगिरी मर्याद करी तिण उपरान्त जाई पांच पास्व दार सेज' नहीं सेवाऊं नहीं तथा जेतली भूमिकी पागार राख्या तिणमें द्रव्यादिक रो मर्यादा करी ति उपराना सेक नहीं सेवाक नहीं मनसा बायसा कायसा द्रव्य एकी एष्ट्रिज द्रव्य, खेव यो सर्व खेतां में, काल यकी जेतलो काल राख्यो, भाव यकी राग हेवे रहिस उपयोग सहिस, गुणधकी संवर निर्जरा, एश्वा म्हारे इगमा बत वा विषे ज कोई प्रतिचार दीव

लागो दे पालाज । नवीं भूमिका बारली वस्तु भवाई होय १ स्व लाई होते २ गन्द करी भागा लगायो होय ३ हप करी प्रापा लगायी होय ४ पुतल नांखी धावी लगायी हीय ५ तस्त मिन्छामि दुक्कड् । दृति

ं इंग्यारम् पीषध व्रत पांचा योनां करि पोनखिनें द्रव्य घर्की।

पमाय पाय खाहिम खाहिम ना पवक्काय
गरेर पानो मैयाहिक पानसुपार्गहिक को पनताप
पदम्भना परक्काय जमक्रमणी सुबद्भना परक्षाय
र्पुष्ठ सेवाका स्थाग पोमराया हुया रहसीनाका स्थाग
माना वस्पा विलेवन ना परक्षाय
पुष्माना सुवान रंगाहि चन्द्रनादि नो विलेपनका स्थाग
प्रस्मुसनाहि सावकाम जीगरा परक्षाय
रक्ष मुसलाहि सावकाम जीगरा परक्षाय
रक्ष मुसलाहि सावकाम जीगरा परक्षाय

देखादि परवाद्यांग, करी ने द्रव्य राख्या जिला उपरान्ति पंच पास्तव हार सीलं नहीं सैवालं नहीं मेरना वायमा कायमा द्रव्यवी एहिज द्रव्य, खेत्रधी मर्व मेतों में, काल घकी (दिवस) चही राति प्रमाण भाव यही राग होप रहित उपयोग सहित गुण घकी संवर निर्देश, वहवा म्हारे द्रायारमा द्रत की विषे जे कीई पितवार दोष लागी होवे ते चालीलं।

रेजा संघारी अपिड्लिझो होय टुप्पहिलिझा रेजा त्यारी अपिड्लिझो होय उप्पहिलिझा रेजा त्यार पडिलेहा नहीं होय आछीतरें नहीं होय ! अप्रमाज्यों होय टुप्पमाज्यों होय २ पडिहान नहीं प्रमाज्यों करी आछीतरें नहीं प्रमाज्यों देखार पामवेष सूमिका अपिडिलिही होय दुपडि

सिही होय है जप्रमाञ्चा होय द्वप्रमाजी शेव है आछी तरे नहीं पूंज्या नहीं तथा रीत प्रमाणे नहीं पूंज्या 📦 पडिलेही होय . . - . पीपह में निन्दा विक्या कषाय प्रमाद करी होस ॥ तरस मिच्छामि दक्कड ।

(\$35)

॥ इति ॥ वारमं प्रतिधि संविभाग व्रत पांचा बीना

पीलिविजे द्वय घकी। समणे निगंधे फाम् एपथीकीयां पस्य १

निर्दोष - आशार नित्रंघ न प्रास्क अचित

पार्थ २ खादिमं ३ सादिमं वत्य ५ पढरगा ६.

पात्रो मेवो लोंग सुपारी भावि यस कांबलं ७ पाय पुरुक्षं ८ पाडियारी ८ पीढ

पग पुँउणी जाचीने पाछा पार कांयरहो मोलाये ते समानत फलग १० सेच्या ११ संवारो १२ फोपद ११

दवाई जमीन जगां शुणादिक भेपद १४ पडिलाभमाये विहरामि॥

चुर्णादि प्रतिलामती यको विचक्रं देशक देवता प्रते भन्तो जाणू मनसा वायसा कायसा,

दत्यादिक चौदह प्रकारनं दान शह साध्नें देज

द्रव्य दकी एडिज कलपती द्रव्य, खेत यकी कलपे तिष्, खेलां सं, काण घकी कलपे जिप काल में भाव यजी राग होच रहित उपग्रीग महित गुण यकी संदर निर्फरा, एएका म्हारा वारमां बत की विषे ले कोई पतिचार दीय लागी होवे ते पांलीक मुलती वसु सवित्त पर मेनी होय १ मचित्त घी टांकी होय रंकाल पतिक्रम्यो होय ३ पापणी वस्तु पार्की पारको वस्तु पापणी कोधो होय ४ भागे वेठ माध् माध्ययांकी भावना नहीं भाई हीय तहनूं मिण्डामि दक्षड ।

॥ इति ॥

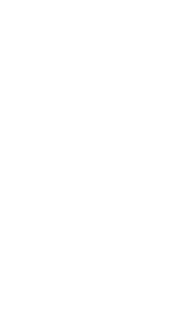
॥ अथ संलेखणा को पाटी ॥

प्रलोकासंसह इह लोगा संसह पाउगी १ पालोक में सुखकी यह लोककी जशकी सथा

. द्रस्यादि की रच्छा

पाउगो २ जीविया संसह पाउगो ३ मरणा संसह सीवित की रच्छा मरप बांछा प्यउगी ३ काम भीगा संसह प्यउगी ५ मा सु काम भोग की रच्छा उपरोक ए विवार भरणन्ते।

ें। ॥ रित ॥



॥ अथ मंगलीक ॥

चतारि संगलं चरिष्टना संगलं सिद्दा सङ्गलं च्यार महत्त्रीक अस्तिन्त मंगल छै सिद मंगलकारी छै साह मङ्गलं केवली पणत्ती धन्सी मंगलं॥ साधू मंगलं केवली प्रह्मची धर्म तेमंगलं पत्तारिलोग उत्तमा परिहन्तालोग उत्तमा प स्थार लोक में उत्तम जाणवा अरिहन्त टीक में उत्तम सिद्धा लोग उत्तमा साहलोग उत्तमा केवली सिद लोक में उत्तम साधू लोक में उत्तमः केयली पणतो धनो लोगउत्तमा॥ चतारि सरणं पर्यो धर्मते होकमें उत्तम॥ स्यार शरणा परज्ञामि परिहत्ता सर्गं पवज्ञामि सिद्धा पद्दण कर अरिहरतों का शरणा प्रदण करता है सिद्धांका सर्गं पवज्ञामि साह सरगं पवज्ञामि क्षेंवली शरण हेता हूं साधुका शरण है केवली पणती धसी सर्गं पवज्ञामि॥ चारीं सर्गा महिवत धर्मका शरण ब्रह्म करता है ए सगा चवर न सगो कीय जे भवप्राणी चाट्रे चचयं भमर पद होय।

॥ इति ॥

देवसी पायक्ति विसोधनाधे करेंसि काउसरग

॥ अथ पडिक्रमणा करने को विधि ॥ प्रथम चौबोमस्या करणा किया में

्र च्छामि पडिक्रमेड की पाटो। तस्मोत्तरी की पाटो २ । ध्यान में इच्छामि पडिक्कमेड की पाटो मन् में चितास्कर एक नक्कार गुणनी ३ । लोगस्मउच्ची

संदिताकार एक जिल्लास सुवान का नागरसञ्चल सुद्दे को पाठी ३। नमाञ्चुर्य को पाठी ४। १ प्रथम पावसरग सामाइक में।

ं १ चायमसाद्रच्छासिणं भन्ते । . ॰ ॅ२ नयकार एकः ।

इ कामि भंते मामाइयं।
 ४ इक्लामिठामि कालमगाँ।

ं ४, राष्ट्रमोश्तरी को पाठी ।

ध्यान में ८८ निवार्यये पतिचार । पानमें तिबिह पद्मले की पाटी तिस में सान का

स्वद्ध पतिचार।
दंमक श्रीममले को माठो तिवर्ग समक्तित का ध पतिचार।

बारे बता का चित्रचार १० तया १५ कसीटात । इक मोना संसद प्याने को पाटो। (तियाँ) चतिवार ५ सम्बद्धां का। यह सबै ८८ चतिवार चताक पास स्थानक कहता। दक्कामि ठामि पालोर्ज नी में देवसी पद्रयारोकड ए पाटी कहकी।

एक नवकार कह पारलेखी।

🚛 🕟 🔃 १ति प्रधम श्रावसम्य समाप्त ॥

।। दूसरा आवसग्ग की आज्ञा ॥ चोगरम की पाटी।

॥ १ति हुता अध्यसमा समास ॥

ः ॥ तोजा आवसग्ग को आज्ञा ॥

दोय खमासमवा कहवा

। इति तीजा भायसन्ग समाप्त 🛭

ा। चौथा आवसग्ग को आज्ञा ॥

ं, सभावकां ध्यानमें कञ्चा सो प्रगट कहवा।

द पाठ पाटो बैठा धक्तां कहयी जियांकी दिगत ।

रै तस्य सव्यस्त को पार्टी।

२ एक नवकार।

रे करेमि भंते सासाइयं की पाटी।

४ दतारि मंगलं की पाटी।

५ इन्हामि ठानि पडिक्तेड हो में देवस्मी।

ः ६ इन्हामि पडिक्रमेट की पारी।

े चागमें तिबिहे की पार्टी।

द रंसपा यो समत्ते की पाटी।

॥ अथ पडिक्रमणा करने की विधि ॥ प्रथम चीनोसत्ये करणे किया में

इच्छामि पडिक्रमेंड की पाटी। तस्सोत्तरी की पाटी २।ध्यान में इच्छामि पडिक्क्रमेंड की पाटी मन में चितारकर एक नक्कार गुण्नों ३। जीगस्सडकी गरे की पाटी ३। क्रमोश्यों की पाटी १।

म पितारकर एक नक्कार गुणना है। खागस्सबकार गरेको पाठी है। नमीरहण को पाठो है। १ प्रायम पावसरग सामादक में।

िरं नवकार एक । इ करीम भंते सामाइयं। ४ इच्छामिठामि काउसम्म ।

्र सस्तोत्तरी को पाटो। ध्यान में ८८ निज्ञावर्षे पतिचार। पानमें तिबिष्ट पज्जन्ते की पाटो तिब में चान का

षवद् प्रतिचार। दंसव श्रीमभन्ने कौ पाठो तिवम समक्तित का ॥ प्रतिचार।

शात वार । बारे बता का पतिचार ६० तथा १५ कर्मादान १ इड कोगा संसड प्यज्ये को पाठो । (तथमें) पतिचार ५ सचिख्यां का । यह सर्व ८८ पतिचार

धरारह पाप म्यानक कहवा।

(301)

इकामि ठामि पालोक लो में देवसी पदयारोकत ए पाठी कहवी।

एक नवकार कह पारलेको ।

॥ रहि वयन भावसम्म समात ॥ ॥ दूसरा आवसग्ग को आज्ञा ॥

चोगरस की पाटी।

॥ रवि दूना मन्यसम्म समात ॥ ॥ त्रोजा आवसग्ग की आज्ञा ॥

दोय खमासमवा कश्या ॥ रति तांजा

ह इति तीजा भावसना समास ह

्राः चौथा आवसगा को आज्ञा ॥ ्राण्यामां ध्यानमें कच्चा सो प्रगट कहवा।

र पाठ पाटो बैठा घकां कहवी जिवांकी विगत।

र तस सव्यस की पाठी।

र एक नवकार।

े वर्मि भंते सामाइयं की पाठी।

४ पत्तारि मंगलं की पाटी। ५ रूक्सिम ठामि पड़िकमेंड को में देवस्सी।

िइक्साम् पिक्तमेड की पाठी।

े पागमें तिबिह की पाठी।

ट दंसल श्री समृत्ते की पाठी।

षे भार पार्टी कडकर बारह झत पतिचार महितकाणी - पोण संनेणना ला पतिचार कड़ना।

चटारे बाय स्टामन कडणा। इल्लामि टामि पड़िकमेड को में देवनों को पाटी कडणो तस्म भन्नस्म किंदली पह्रक्तस्म को पाटो, देश्य प्रमासमणा कडणों।

पोच पडाकौ बन्दना कडकी। मात नाल गुष्योकाय मात नाल पप्पकाय इत्यादि स्मत सामचाको पाठी।

क वर्ति भीता वात्रावा समात क ।। पंचमा आयमगा को आजा केई कहैं ॥ : • देवनो वायत्वित विभावताचे भवेनि भावः

> टेडमो प्रायक्तित विसादनार्थे व्यक्ति आराड-स्टब्स् !

सरः । स्यक्षनदक्षाः । अकस्य सम्बन्धाः स्थानक्यको पाठो ।

८ इ.च. मि हापि बाइमार्ग को पाटी। इ. हामालगे को पाटी। ध्यान में भीतरम बहुकों को प्रच्याव गैटि। हमारे हुए मध्य बहु च ब्याद भारतम् को ध्या

वान के भीतनम् बहुको को वाग्यगत गैरित । प्रमाने तथा मान बक्त ४ खरार भारतम् का ध्यान प्रकृति ने २२ बारी भारतम् को ध्यान । बीटाफो प्रकृति न ३० भीतनम् की ध्यान । ं इमक्री ने चालीस लोगरस की ध्यान ।

भान पारी लोगरम की पाठी प्रगट कहवी।

🙏 २ द्रीय खमासमणा कहणा।

॥ रति पंचमूं आवसाग समाम॥ इट्टा पावसाग की चान्ना लेर्ड कहता तहनी विगत। .. गयेकालनं पडिक्रमणो, दर्तमान काल में ममता, पागासियां कालका पचयाय (यघा मिक्त करणा)। ्र मामाई १ चीवीस्यो २ इंदना ३ पडिस्मणी ४.

काउसला. ५ पचलाण ६ यां इकं चावसरगां में जंबी नीची ही यी चिषक पाटी कही होय तस्स

मिकामि ट्रहड्ं।

.दोय नमोत्व्यां कह्या जियमें पहिला में तो सिर्गर्दे नाम धेद्रयं ठाएं संपताएं नमी जिपाएं। ें दूबा नमीत्व्यं में सिद्ध गई नाम धेइयं ठाएं रंपवेकामी नमो जिलालं।

द्र इति इ

ा तेरापन्थ ओटखणा की ढाट ॥

. माप इसे नहीं प्राय कें, नहीं कहिने हरावे ही। स्तानं भन्नो न चिन्तवे, ऐसी द्या पनावे हो।। सीकी तिरापंध पावे ही हु। कि तो मून पकी

रें के निर्वेद्य गांवे हो। सावद्य काम संमारका, ते.ती.

विश में न वाहते हो ॥ सो ॥ २ ॥ वास्त्री विन एक तिषखली, कारसं नांडि उठावे हो। भीग तंत्रा मामय तया, मांठी नजर न स्टावे हो ॥ सी ॥ 🐉 रत्न पर्ने कवडी भणी, नहीं राखे रावावे हो। जै वे छपसङ जिए कहा, तियमं पधिक न हसारे ही ॥ मी ॥ ४ ॥ पंच महाब्रुत पालता, नव विष' भीन पनावे हो। स्मति गुप्त बारह भेट सं, पुरव कर खपाव हो ॥ सो ॥ ५ ॥ संयम मत्रह भेद सं, इड़ी शैत निभावे हो। परीयह पार्या संवास सें, गुर जिम रहामा ध्यावे हो ॥ मी ॥ ६ ॥ धनाचा बावन तजी, गुण मत्ताबीम पावे हो। दीय वया लिम टाल की. चसपादिक लगावै की ॥ सी ॥ ०। काच कनागत कार्य. तिच टिशि नहीं ध्याये ही। ताक र तरापत्री, ताजा घर नहीं साबे हो ॥ सी ॥न निस्त हेदत जी कोई, तिब में नाड़ी रिमाबे हो। कोई की दाता दानको, तिषमं राग न क्यावे की ॥ मी ॥ ८ ॥ जनम कादा से देर रहे,

शिन्दर्भ केदर्भ का क्षेत्र होता दात्रको, तिष्यम् राग व क्यावे क्षेत्र को इ.स. कमल कादाः में टूर रहे, जिस कार्मनां किलावे को । यापो यानक को हुने, बामा टूर दीरावे के इ.स. इ.स. १० इ.स. किसा क्षम कुद्रदर्भ, द्वा घम दीवावे को । जिकां २ के जिननी कागन्या, तिष में धम बतावे को इ.सी 👫 राः। सूतर में जिन भाषियो, तेइवी दान दिरावे में। दान कुपाव ने दियां, टेता पाडा ना पावे ही मेसी॥ १२॥ वरलयो तो जिहां ही रहा. मुनि बहिरण जावे हो। देखत मुगत फकीर की, ती पाछा फिर पावे हो ॥ सो ॥ १३॥ नव तत्व निर्णय नित करें समितत ने सरधावें हो। मृक्ति नगर मुमिकल यणो, तिष रो मार्ग घतावे शि॥ सी॥ १४॥ तैरा वंचन विमास ने, सूतर सीख सोखावे हो। तिष बयवा मूँ भर्त में, भवियण को चलावे हो ॥ सी ॥१५॥ चाएँ समकित चौषधी, वैदा भोजन पचावै हो। तेरा-पन्ती बैद उधूं, धर्म भीजन रूपावे हो॥ सो॥ १६॥ नैव खोट प्रत काद्वा, सोनी सोनी ताव हो। ज्यूं वैरापन्त्री परिवियां, हृद्य न्याय ल्यावे हो ॥ सो ॥१०॥ वैरापन्य पोलस्यां पाष्टे, टूजी दाय न पाने हो। भगत भोजन जीमियां, क्लस कुष खावे हो ॥ सो तुमी बंचनां से नहीं मिले, तालूं तुरत उडावे ही। सी। १८ ॥ सूत न्याय पालंड मंगी, भीखणजी शील-षावे हो। तरापन्य ते चारियो, द्या धर्म बतावे ही में भी भरेगा भी खणजी तरापत्यी, तिष में ए गुण पावे शें। प्रमु तरापन्यरा, शोभी गुण गावे हो ॥ सो ॥२१॥ ॥ स्थामी श्री भीवणजी इन ॥ माणी कव टाकुर कुरमाई रे (पर्देशी),-

~~~

देव तथी पाचार न जाये, गुरुको खंबर न आर्थे रे। धर्म तथो तृममँन जाये, गखे घणी उसकार रे॥ प्रायी समकित किथ विध पार्ट रे॥ १॥ जैव

त्वा प्राप्ता समास्त्रता स्वयं विषय पाइ र ॥ रूप तस्य रातृते मेट्रन पाते. जूड़ी करै सपराई दे। धर्म तप्ते धोरी हो बेठो तुम दोसे घर्षो मोलाई दे॥ प्राप्ती ॥ र ॥ कीवन जाये घलीवन जाये, पुन्य स्ती स्वयं न काई दे। पाय तथी प्रकृत नहीं धारो, सीधी

घंणी लहाई रे ॥ प्राणी ॥ ३ ॥ पासव नाला हुटा

नहीं। देखि, संबर ममरा। न भाई रे। निर्णरा तथीं। निर्णय नहीं कोधी घारी कठें गई चतुराई रे॥ प्राची। ॥ ४॥ वस्य मोच नों भेद न जोड़ो, तिच री खबर न कोई रे। समदृष्टि संनाम धरावे, तृते कुगुरु द्वार भरमाई रे॥ प्राची॥ प्रे॥ काथ जोड़ी ने समकित

स्त्रेत, कुगुरां पासे जाई दे। घजाय पयो सिच्यो नहीं पन्तर, सिच्याबात बनाई दे॥ प्राची॥ ६॥ सांग-धांग्रांने साधू सरये, पड़े पगांसे लाई दे। तित्रस्ता से करे छे बन्दना, सनुसे इर्यंज घाई दे॥ प्राची

 191 मानव करणे से पारत हारी, दिस के खड़ा ह होंहें है। विसेव करते हैं दस पुन्त है पन पटक ने बाई है। प्राची हु दा होता करता करती है हैती भोता ने दें भरमाई है। हुड़ बच्छ का उन्हें हैं मील, मोड़ी है पेट कराई है। इसी गृह्य करे में तं बहेशे बादी, सर्वी कराज का काई के ह बोर्स मिर्द कि बाहि, कुरुन कि होत हिता है है । प्राप्ती है १० ई पुन्त केंद्र क देशन गई न्यसाई है। नाय हता है। निसंद कुरू हती मोडे लड़ाई रेड मार्ची व राज हर केंद्र केति क्षेत्र म चार्याः छत् हिन् स्टब्स् म अक्टिके हैं। विहेश से निरंद न केंद्र हेनुस करते मंदि। मारी ॥ १६ १ वर्ष दीन होते होते होते हाते क्षित न कोई है। बाद महिन्दि मिले से सिंदि से ह हारी है रहा है है है महीं पाने होती कर बढ़ाई है। काल करने पति खोडा बीच कराई है। इसे हैं रह है के वितेष्ठ भारती, सूच में दिये करते क्षित हो। स्टिंग के किया के किया है है।। प्राची ।। १६।। कीच क्रमीद का ही 明 克爾斯斯 配证 医心毒素 医皮肤

( 304.) पोलपे घट भिनार, ज्यांने न सकी देव डिगाई दे

ा। दान ॥

॥ प्राणी ॥ १६ ॥ 🕟

. . रण स्वार्थ सित रे थन्द्रवे (परेशी) .' तेरा नहीं ते सर्व चनेरा, ते संमार में रड़ बडिया

की, तेरा ते ती धमलज तेरा, ते चान व्यान ग्रं मरियाजी । इच भरी खेब में चित चतुर नर, तैरापंत्री

तिरियात्री ।। २ ॥ सुमती गुन्न पार्ट सुध पासे, पश्च मकात्रत धरियात्री । च तरा पाल्यां तरापत्री, ते मुक्र मगर ने विद्याओं ॥ इया भर्त खेत में ॥ २.॥ तित

ते तस्यादय लेखे, तं कर्मकटक से लड़ियात्री। मृश्री गैति मंग्रम पाले, ते शिवरमधी ने वरियात्री।)

इस ॥ ३ ॥ तिरापन्य से भूल रहा है, की दी करे है विश्यात्री। मान्या मीड संवामी मोदी, त्यांश कारत मन्यात्री ॥ इच ॥ ४ ॥ तरा मति में तराबन्दी,

संयम पाला धरियात्रो । त्यांनी चरवा चलात सुचते,

पालबटी बरहरियात्री ॥ इस ॥ ४ ॥ चासा बारे

धर्म प्रकृषे, ते चानावारे पछियात्रो । ते चाना वारे

बारड मेंबी ते मिखा मन से लडियाओं ॥ इव ॥ ६ ॥ सेगु लारी मन्या बाबी सब तत्व निवंद बरिवाडी।



ं (२१०) पिण फिरतां थकां, जिसवा जाला उखेले तायशी,

लीलण फूलण मारी जायजी, घनना जोत है तिव रे मंयजी, बले घवर एकी छः कायजी, तिव री दबान घाणी कायजी, तिकरे घल्य घायु वंधायजी ॥ श्री बीर कारी ।। २ ॥

नींय दिरावे ठेट मूं जी, टांकी वजाये ताय, भेकां कार भाठा चूंचे, तिच बोहत हवीं हः कायजी, भागनता जीव हिच्छा जायजी, ते पूरा किम किं वायजी, साधां ने उतारणरी मन ह्यायजी, तिच मोटी कियो पन्यायजी, तिच रे पहच पायु बन्धायजी। श्री बीर 11 3 11

जिय गरय दिया यानक कारणेजी, ते विष मराई इ:काय, किय मोल भाड़े ले भोगलावे, किय याप राषो के तायजी, इत्यादिक दोषोला कहिवायजी, खीडे खोदे समीकर लायजी, विधि २ सूं मारी इ:कायजी बलि मन मोहि इरियत यायजी, तिथ र घल्प घायुष्य बंधायजी ।। शी बीर • ॥ ४ ॥

पाडार सेभवा बस्त पाराकी, इत्यादिक द्रय पर्नक, पगुद्र पडिराय साधू ने तो डूबा विना विवेकत्री त्यां भाली कुगुरारी टेककी त्यांर कर्म पाडी का<sup>डी</sup> रेप्जेनी, त्यांने मौल न लागे एकजी, गुरु ने पिष धप्ट विशेषिको, संगद हुवे तो सुच मरे देखती । देती । १॥

मिंद उरे हुई एहमें ती पड़े मिंगेंड में काह जिस उर्देश मद करें, त्यां मार मनलें खायतें हैं पी संस्काद मांयलें, एक नहीं मिंगेंड में खेंडी, बित्त मर्च देगी देगे गणनें उपने में खेंडी सायकीं, तिर में सेखें मुर्ग विक न्यावतें अभी दीर ॥ है।।

मत्त्र भव जामेरा करें. एक प्रवासाय स सकार. देव मुहर्स में भव करें माडा देंसठ रवार वा विक देशीन पविक दिचारबी, एक्वी जनस सार में वारबी, मरूप पामें पनली, बारबी पनल वानकत मिस्बी लांगे देसी न पांचे पार्थ में देशित ॥ २ ॥

कड़ा पहनी पड़े यस नरक नी ती. पड़ी नरकस बाद, खेत देउन हे पति घरी, परमाधामी मार वन-सायबी, तिहा मार पननी छादकी उठें कीप दुड़ादें पादकी, मृत्र नृष्य पननी पादकी, दुरह में दुरह उपके पादकी पहुंच इन्न दिया ए सब दूरहों है दी दीर ।। प

टुन्स भोगविया नाक में की होन कही हता

पाप, तियम जीव उपने जाय तियंच में, उठे पंच घणी गीग सन्तापत्री, नहीं दुटै कियां दिलापत्री, भाडा नहीं पाने गुरु मा वामकी, दुख मीगने पानी पापजी, पशुहु दान दियां धर्म घापजी, ए पिच क्युर तची प्रतापत्री ॥ श्री बीर ॥ ८ ॥

पशह जाणीनें भीगके, त्यां भागी जिनका पान, धनना जरक्रष्टा भव करें, नर्कम जामे टांकी भागाजी. **छठे मार देसे नर्जना पालकी कीधा कर्म सेवे संगा-**लजी, रोमी कर्तव्य मांसी निहानजी, भगवती पहिली भारत संभानजी, बनि नवसी उटेगी संभानजी॥ । श्री बीर ।। १०॥

पाधा करमी जाकी में वित भएः

निकल है

भोगंद लिंदे तायजी, त्यारी, मार वेगी नहीं ज्यायजीता स्रो बीर ॥ १२ ॥

हिंदायर पशुम उद्य हुपा, ते पामें ए करमें घात, ही साधू पिड़्या नर्क निगीद में, सेवकि नि ले लावे साधजी, त्यां मानी कुगुरां री वातजी, कीनी तस स्यावरनी घातजी, पनना काल दुःख में जातजी, याने पप कुगुरां, हवीया साम्ब्यातजी सुन्नी वीर• ॥ १३॥

गुरांने हवीया श्रांवका श्रांवकाने हवीया साध, दोन् पड़िया नर्क निगीद में, श्री जिनवर धर्म विरा-धनी, संसार समुद्र पगाधनी, जिन धर्म री रहिंस नहीं लाधनी, भव भव में पामें पसमाधनी, ए पर्य कुग्रां तथी प्रसादनी ॥ श्री वीर • ॥ १४॥

क्षिण प्रमुद्ध लगी देवे साधू ने ते साधा ने लूटी जिया ताय, पाप एदय हुने दूर भने. इस्त द्वादिद् भसे घर सांयजी, ऋह सम्पति जाने निलायजी, दुःख मांहि दिन जायजी, जदा पुन्य भारी हुने तायजी, तो पर भन में मंका नहीं कायजी ॥ श्री जीर ॥ १९॥

हाह दूम सांमल नर नारियांकी, कीच्यों सने में विचार, शुह्व साथां ने बारनेंकी पशह सत होक्यों किय- बारंकी, चार्च में धर्म नहीं लिगारकी, सुध दान दे साक्षे स्था सारकी, उर्यू उत्तर जावी मद धारबी, इंट मनुष्य जनम नीं सारकी ॥ यो बीर करें सुंच नीयमा ॥

हाती । **इति ।** १००० ता ती ती स्टूर्ण के प्राप्त के प्राप्त की स्टूर्ण की

॥ श्री कालूगणी स्तवन की ढाल ॥

॥ राग भैरथी ॥

्र श्रीकालुगणी राज तिहारी सुयश तूर जग मात्रेडे ॥ ए भोकड़ी ।।

गुण पटतीस लगीग गणाधिम पट सम्पदा छात्रे है। योकाल ॥ १॥ जान घटा लिए बान खटा

छै। यीकाल ॥ १॥ सान घटां लिए बान कटा सुन संधिपटा घन गांते छै, बरवित चटतु समिकत

चुन २ विरा, इरियत सविक समाजे हैं॥ श्रीकाल् ॥.२॥ गद्य पद्य काव्य सुरोत गीत खर, श्रीमुख सिष्ट दिवाजे हैं, इद उद्योपक कीय न्याय करिलोस

भवोद्धि पाले हैं॥ योकाल्॥ ३॥ टुरबुढि पालंड पशुभिष्या निशि जूक घुक डर भाले है, मानृ चाल भरत में भानृ, प्रकंट प्रकाश विश्वके है॥ योकालू ॥ ४॥ चाकर तुम चरणां रो चाकर. टेख ट्रश मुख साज है, गुलाव कहिए भेरवी राग गुण युत हित सुख काजे है॥ श्रीकालु॥ ५॥

n sta s

### ॥ कलश् ॥

इस ज्ञान घरचा करे करावे पाप परचा परहरे। ज भविक समकित रतन पामें चातम गुण उडक्ष करें॥ श्रीकालू गणी गुण सागठ वृद्धि चागठ सारां सिरे। करें गुलाव शावक चातम भावक गिव रमणी देगी करें॥

## ॥ अथ श्रो गतागत का थोकडा ॥

कींत्रका ५६६ मेट की दिगत । १४ मात नारकी का पर्याप्ता चपर्यो । ४८ तिरोच का

श्च स्थान बाहर प्रशासायका प्रयासः अवयातः । श्च हास्य बाहर अवश्चायका प्रयासः अवयातः । श्च हास्य बाहर वादकायका प्रयासः अववातः । श्च हास्य बाहर वादकायका प्रयास अववातः । । सहया (बाहर ) वायेश साध्याका बनायाँका । ः है तीन विकलेन्द्री का पर्याता अपर्याता। २०)जलुबर थलवर उरपर भुजपर खेलर ए पांच प्रकार का तिर्यञ्ज सन्नी असम्रोका पर्याता अपर्याता।

#### ३•३ मनुष्यका-

२०२ सभी सभी मनुष्य १५ कम भूमि, ३० शकमें भूमि, ५६ अन्तर द्वीप य १०१ का वर्याता अवर्याता । १९१ असभा मनुष्य ते सभी मनुष्य का मल मुत्रादि वेददह रिपानक में उपजैने अवर्याता, अवर्याता अवस्थामें मरे

#### हर्दे देवताका-

भुवनपति १०, पर्वापमाँ १५ यानव्यन्तर १६ त्रिक् भुवनपति १०, प्रतायमाँ १५ किन्द्रपा १, छोकालिक १, वैदलोक १२, भैपेयक ६, अनुसर विमाण ५, पर्व ६६ जानका पर्वास अपर्शनता । ॥ इति ॥

भरत खिबर्स पूर् पावे --

नियंच ४८ मनुष्य का ३

#### जम्बुईीय में ७५ पावै--

मरत क्षेत्र १ पेरमरत १, देवकुर १, उत्तर कुरु १, हरियास १, रम्बक्शास १, हेमप्य १, मरुणयय १, माइविदेद १, यह नर क्षेत्रका साला भृतुष्य वर्णाला मण्याप्ता १८, तथा भसर्गा मनुष्य ६ ४८ निरोबका

सवय ममुद्रमे पावे २१६—

सन्तर द्वार ५६ का तो १६८, तथा ४८ निर्वेञ्चका

घातकी खगड में पावे १०२--

५४ मनुष्य का धटारद क्षेत्रों का त्रिनुषा, ४८ तिपंच का

कालोइधि में पार्व ४६—

तियंच का ४८ में से बादर तेंड का २ टल्या

पर्ध पुस्कर घंर हीय में पार्व १०२ — धातकी सम्बद्धत जामगी।

क वा लोक में पावे १२२—

ट! देवता या ।

ध्र विषेच का।

नीचा लोक में पावे ११५--

भवनपति २०, पर्माधामी ३०, नारकी १४, तियंच का ४८ मनुष्य का ३ सर्व ११५

तिकाँ लोक में पावे ४२३—

३०३ मनुष्य का

ं ४८ तिर्पञ्च का ।

३२ धानव्यन्तर का।

२० त्रिझ्मका ।

२० जोतिप्यां का।

mirw's It ग्रित ५ सन्नी का पर्याता अपर्याता ४०

( २१८ )

हा पर्याप्तर

भागति THI mfa

मारकी है

H. भागरित नीजी 11

नारकी है nfa. ¥3 वागनि

Mirin 26 नारको हैं nfa.

ब्राग!न यःचयं

73 mir ell A सर्देत

cí.

अन्तर्भ ŧŧ.

#F4

\*\*

। इत्यूर का वर्षाच्या

3.3777 १५ बर्मम्बि १ अटबर नदी की

Tres

१५ कर्मभूमि मनुष्य निर्यञ्च पंत्रेश्री

१५ कर्ममृति मन्त्य, ५ शर्मा निर्वेत

3.1127

११ कर्मनूमि मनुष्य, ४ सभी तिर्यंच

3.71777

१ : क्यंमृति मनुष्य, ३ शत्री निर्वेष

**ま**なすなす

१० कर्वत्रति सन्ध्य स्थी, १ प्रश्रक,

प्याता (मृज्यार १ वनर २ छत्या)

का वर्णाता मुक्तार दहवी

े स्ट्र 5-1-3 ११ नर्न नृति । उत्तर करो का पर्वाच्या हो दिशा -...E. १ तर्जा जिल्ल का पर्वता 30 A. ..... 65 १० सदत दनि सम्बद्ध रिन्दे सकी महान्य व सकी व मह ( + Car. C. A. सा विदंव का परांचा सा ८ १६ इन्हर्नेहर १५ बर्ज मुन्ति महुन्त, ७ सकी हिंद र्व जिल्ला - 3 र हरती । साम, १ बनस्यति का दर्शन धा उत्तिका न ٤, मर्गाना मुझ साधारय दिना १५ बर्स मूर्ज, १० अरुमं मुक्ति ५ सार 40 डिएंच का दरांखा देवलोक में गति 22.12 १५ कर्न मूनि, ५ सती तिर्देश, शकरो मूनि का प्योच्या दृह (५ हेन्यए, शहल-दुवा ₹• 80 दय. टल्या) देवलोक स गति ٤, 20.00 भागति १५ वर्म भूमि ५ ससी तिर्देश ५ देण्ड र षदिला ₹ ₹ ५ उत्तर कुछ का पर्दार्था कटियपिषः मे गति ٠į उत्पादन दूता सीजा भागति १५ कर्म मृति, ५ सार्ग निर्वेष १२। काल्पिपिका देव विद्यादमा भीजासे साहयां माति । १५ वर्म मुनि, ५ सक्ती किवेश पर्यात्ता ,सां(का देवतामें

| _     |                  |                         |                                                                |
|-------|------------------|-------------------------|----------------------------------------------------------------|
| {3    | नयमांसे सर्वाः   | शागति<br>१५             | १५ कमें भूमि, मनुष्य का वर्षाता                                |
| .**   | सिद्धि नोई       | गति<br>३०               | १५ कर्ममूमि का वर्षाता अवर्षाता                                |
|       | पृथ्वी वाणी      | आगि                     | १०१ असरी मनुष्य, ४८ विर्ये<br>कर्म भूमि का, पर्याता भपर्याता १ |
| . \$8 | यनस्पति में      | 283                     | १७६ लंडी का और ६४ जातिका<br>पर्व सर्व २४३ थया                  |
|       |                  | गति<br>१९६              | रुड़ी का                                                       |
| ₹4    | े<br>तेज वाउकाय  | धागति<br>१७१            | स्त्रदी का                                                     |
|       | #                | गति<br>४८               | तिर्यञ्च का                                                    |
| 23    | ৰ্ণাৰ            | श्तागति<br>१ <b>३</b> ६ | रुड़ी का                                                       |
|       | विक्लेन्द्री में | गति<br>१७१              | लड़ी का                                                        |
|       | ,                | 2000                    |                                                                |

खडी का

₹3€

314

419

479

धमन्त्रो नियञ

पंचेन्द्री में । गति

83

20

१ ३६नो छड़ीका, ५६ सम्बरहीप ५१ जारि

का देवता, १ पहली नारकी १०८ व वयांच्या अपवांच्या २१६ सर्व मिलि ३६

पर्याप्ता (नयमांसे सर्वार्थ सिद्धनांश रहवा) (नयमां में सर्वार्थ लिख तांई का दरवा)

मागति १३६ तो सदी का ८१ देवता & नारकी

| ( 441)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| भागति।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| र्ह नसानी १७१ लड़ी का में से तेउ याउ का ८ रखा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| मनुष्य में मिलि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| गात                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| र्डा सा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| २० सन्ती मनुष्य २०६ तो छड़ी का में से, ६६ देवता, ह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| में नारकी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| गति                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| ५६३ सर्व                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| देग्डिक उत्तर विवास १५ फर्म भूमि ५ सन्ती तिर्यंच                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| रा रिवज्ञार उत्तर र० रर कम भूमि ६ सन्ती तिर्यंच                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| THE TOTAL CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE PAR |
| वात व्यन्ता, १० विकासिमा, १६ वाल-                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| , जातिया व                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| युगलिया में १२८ पहिलो हुनो हेवलोय, १ पहिलो फलिय-                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| पिक पर्व हें ४ का पर्याच्या सपर्याच्या<br>हरीवास नागति                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| 10 / 70                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| सुगलिया में गति ६४ जाति का देवतां में से १ पहिलो                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| १२६ कल्विपिक टल्यों<br>कल्विपिक टल्यों                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| हमवर वागति.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| सहस्राय का २० जवस्यन्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| दुगतिया में गति ६४ जाति का देवतां में कल्विपिका १                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| १२४ ऑर ट्रा देवलोस दल्यो म कल्विपिक १                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| क्षा देवलीय दल्यो                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| भू बन्तरहोष २५ विषय विषय                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| दुगलिया में गति                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| • गत्या में गति !                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| पाति ।<br>१९६ जाति का देवांका प्रशास अपरांता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| भवाना अपयाना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| in the second se |

( 220 ) भागति १५ कर्म मूमि, मनुष्य का पर्याप्त नवर्मासे सर्वार्थ १५ 13 १५ कर्ममुमि का पर्याता अपर्याता गति सिद्धि तांई 30 १०१ बसन्नी मनुष्य, ४८ तियं ब, १५ कर्म मुमि का, पर्याप्ता अपर्याप्ता ३० वर् भागति १९६ लडी का और ६५ जानिका देवता पृथ्यी पाणी 283 पर्व सर्व २४३ थवा यनस्पति में राति एडी का 305 भागति सही का तिक याउकाय 251 गति 큙 नियंश का 28 शागनि स्टिश का 198 स्ति लडी की 101 भागति रही का 305 असन्त्री नियम १७१नो लड़ीका, ५६ मानरहीप ५१ जानि गृति का देयता, १ पहली जारकी १०८ का चंचेन्द्री में वर्याञ्चा अपर्याञ्चा २१६ सर्व मिलि ३६% 384 १३६ तो सड़ी का ८१ देवता 3 नारबी भागति पर्याप्ता (नयमांसे सर्वार्ध सिद्धनां ( इस्या) सन्नी निर्वेश 419 १८ (नवमां से सर्वार्थ मिद्र तीर का रहता) गति 449

| Supplement of the supplement o | व्यसन्त <u>ी</u>                           | तागति<br>१७१  | रही का में से नेउ बाउ का ८ टल्या                                       |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------|---------------|------------------------------------------------------------------------|
| ₹₹ <u>;</u>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |                                            | गनि           | हडी की                                                                 |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                            | 181           | १९१ मी लड़ी का में से, १६ देवता, ६                                     |
| ;                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | :                                          |               |                                                                        |
| 25                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | सन्ती मनुष्य                               | ₹95           |                                                                        |
| 1-                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | #                                          | गति           | सर्च                                                                   |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 1                                          | 630           | -                                                                      |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                            | भागवि         | १५ कर्म भृष्मि ५ सन्ती तिर्यंच                                         |
| `                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | देवकुरु उत्तर .                            | ===           | ६० भवनपति ६५ पर्माधामी, १६ बापा-                                       |
| ₹१                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | बुरु का                                    | गति           |                                                                        |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | चुगिल्या में                               | १२८           | पहिलो इजा इवलाक, र पहिला कास्य-<br>पिक पर्व ६४ का पर्याप्ता सपर्याप्ता |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 3                                          |               | 144                                                                    |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                            | सागति         | जवस्व <b>र्</b>                                                        |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | - हरीवास                                   | 30            |                                                                        |
| द२                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | रायकवासका                                  | गति           | ६४ जाति का देवतां में से १ पहिलो                                       |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | चुगलिया में                                | १२६           | . कल्विपिक रस्पो                                                       |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | -                                          | <b>बाग</b> ित | : ভ্রম্থেনু                                                            |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | हेमवय                                      | 20            |                                                                        |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | सहतवय का                                   | गति           | ६४ जाति का देवतां में कल्विपिक १                                       |
| ٦:                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | वै युगिलिया में                            | . \$48        | ् भीर दूजो देवलोक टल्पो                                                |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                            | : भागति       | ः १५ कर्म मृति, ५ सजी, ५ सस्ती                                         |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ५६ अन्तरद्वीप                              |               |                                                                        |
| Ę                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | १४ वृगलिया में                             |               |                                                                        |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 12 - 13 - 14 - 14 - 14 - 14 - 14 - 14 - 14 | े १०२         |                                                                        |

|    |               | (            | २६२ )                                                                                                                        |
|----|---------------|--------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 24 | वे.चल्यां में | मागति<br>१०८ | ८१ देवता (पर्माधमे १५ कत्विष्टि ।<br>टल्ला) १५ कर्म मुसि ४ पहली से बीबी<br>नर्क, ५ सन्नी निर्पेदा १ पृष्यी १ अब<br>१ वनस्पनि |
|    |               | गति          | मोस की                                                                                                                       |
|    |               | भागति<br>३८  | ३५ देवता चैमानिक ३ नरक पहली से                                                                                               |
| રા | तीर्थंकरा में | गति          | मोझ की                                                                                                                       |
|    |               | बागति        | ८१ जाति का देवता अपरवन् १ पद                                                                                                 |
| 29 | चत्रवर्त में  | र<br>गति     | असात नारकी में जाय पदवी में मरेह                                                                                             |
|    |               | श्र आगति     | १२ देवलोक, ६ तम प्रवेचक, ६ लोह                                                                                               |
| ٦८ | वासुदेव में   | 33           | न्तिक तथा २ नारकी पहली दुवा                                                                                                  |
| ,  |               | गति<br>१४    | ७ नारकी में जाय                                                                                                              |
|    |               | भागनि<br>८३  | ८१ जाति का देवता ऊपरवत् नारा<br>पहली दूजी                                                                                    |
| વદ | बलरेव में     | गति          | पद्यी बमर छे                                                                                                                 |

३० सम्पक् इच्टि में

स्रामति १९६ टड्डी का (तेउ बाउ का टट्या) ३६३ ६६ देवता, ८६ युगतिया, ७ नास्की मति ६६ देवता १५ कर्मभूमि ६ नास्की ५ सधी

त्वियय का पर्याता अपर्याता, ५ असर्गी ३ विकलेन्द्री का अपर्याता वर्ष २५८

| , , _                                 | भागति                                                            | र्श्ट लड़ी का, १६ देवना. ८६ युगलिया                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|---------------------------------------|------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| र मिणाइधि में                         | 305                                                              | नारकी ७ पर्यं                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | गति<br>५५३                                                       | ५ अनुत्तर का पर्यामा अपर्यामा दल्या                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| समिध्या                               | आगति<br>३६३                                                      | समङ्ग्रि जिम                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| म शह में                              | गति                                                              | वीजे गुणडाणें भरे नही                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| साय म                                 | आगति<br>२९५                                                      | १७१ लड़ी का, ६६ देवता, ५ मारका                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|                                       | गति<br>७०                                                        | १२ देवलोक, ह लोकान्तिषः, ह गेर्धेवक<br>५ अनुत्तर का पर्याता अपयोगा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| थावक में                              | भागति<br>२७६                                                     | १७१ लड़ी का, दह देवता ६ मारका                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|                                       | गति !                                                            | १२ देवलोक, ६ लोकान्तिक, प्रथीता<br>अपूर्णाता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| पुरुष चेह से                          | आगति (<br>इ.७१                                                   | गिथ्याती जिम जाणवी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|                                       | ५६३                                                              | ВĄ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| स्थाधन मे                             | 305                                                              | उत्परपन्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|                                       | न्ध्र है<br>नामति :                                              | सातमी नरब. ध कहा हुए                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| पुंसक धर <sup>हे</sup>                | १८५<br>गति                                                       | Et Garan par ayeline                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|                                       | स्वामित्रा<br>इष्टि में<br>साशु में<br>शावक में<br>पुरुष चेद में | मिणारृष्टि में इश्<br>गति<br>५५३<br>आगति<br>समिणा ३६३<br>इष्टि में गति<br>आगति<br>२३५<br>माति<br>१३५<br>आगति<br>२३५<br>माति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>आगति<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१३०<br>अत्य<br>१०<br>१०<br>१०<br>अत्य<br>१०<br>१०<br>१०<br>अत्य<br>१०<br>अत्य<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१०<br>१० |

|   |                |               | ( 258 )                                              |
|---|----------------|---------------|------------------------------------------------------|
| , | गुज्ञपशी       | आगति<br>३३१   | १.३६ तो लड्डा का, ६६ देवता, ८६ युग-<br>लिया, ७ मारकी |
|   |                | गति<br>५६३    | सर्व                                                 |
| ٩ | हण्यपशी मै     | भागति<br>३६६  | ३३१ में ५ मनुत्तर दत्या                              |
|   |                | যিলি<br>'গ'1ই | ५ अनुत्तर का अपूर्वांना वर्षांता रत्या               |
| 3 | अवर्गमें       | भागति<br>३३३  | उत्परवन्                                             |
|   |                | গবি<br>প্ৰ    | <b>अवस्यम्</b>                                       |
| ¥ | चन्ने में      | भागति<br>३३१  | उत्परवत्                                             |
|   |                | गति<br>५६३    | सर्व                                                 |
| ب | बण्ड बीर्य में | आगति<br>३३१   | इतस्वन                                               |
|   |                | ননি<br>-প্র   | ५ भनुभर का रच्या                                     |
|   |                | সাণ্ধি        | १९१ सहीका में थे, ११ देवता का ५<br>नारकी पहली से     |
| ţ | वहित्रवार्यम्  | २३५<br>गति    | कारको पहला स<br>१२ देवलोक, श्रीकारियक, ६ मार्वदेवक   |

५ अनुसर धेनल का पराना स्वातंत्र

| * - 1       | 7                  | आगति          | १७१ लड़ी का में से, ६६ देवता, नारकी                                              |
|-------------|--------------------|---------------|----------------------------------------------------------------------------------|
| <b>a</b> .  | षाल पण्डित         | २७६           | ६ पहली से                                                                        |
|             | योर्थ में          | गति           | १२ देवलोक, ६ लोकान्तिक का पर्याप्ता                                              |
| 1           |                    | ં કર          | अपर्याप्ता                                                                       |
|             |                    | <b>बाग</b> ति | १७१ तो लड़ीका में से, ६६ देवता ८६                                                |
|             | मति धृति           | 243           | युगलियाँ, अनारकी एवं ३६३                                                         |
| e           | शान में            | गति           | ६६ देवता, १५ कमंभूमि ५ सन्नी तियेश्व<br>ई नारकी पर्व १२५ का पर्याप्ता अपर्याप्ता |
|             |                    | સ્પટ          | २५० सार ५ ससम्री विर्यञ्च ३ विकडेम्ब्री<br>का अपर्यासा ८ सव २५८                  |
| +           | अवधि द्यान में     | सागति<br>३६३  | ऊपरवत्                                                                           |
| -4.         | अवाध झान म         | गति           | १६ देवता १५ कमं भूमि ५ सर्जा तियेश                                               |
|             |                    | २५०           | ई नारकी पर्व १२५ का पर्याप्ता अपर्याप्ता                                         |
|             | मतिधुति            | भागति<br>३९१  | ऊपस्वत्                                                                          |
| १०          | यहान में           | गति<br>५५३    | ५ अनुत्तर का पर्यांता अपर्यांता रह्यां                                           |
| <del></del> |                    | भागति         | :                                                                                |
|             | विभङ्ग<br>शहान में | इंडर          | जगस्कत्                                                                          |
| ₹₹.         |                    | गति           | १४ देवता (अनुत्तर टल्या) १५ फर्ममूर्मि                                           |
|             |                    | રષ્ટ          | ५सती तियं ३ व नारकी पर्यामा अपर्याता                                             |
|             | 1                  | आगति          | - Hada                                                                           |
| १२          | चलु द्रांन में     | ₹9₹           | <u>कपरवत्</u>                                                                    |
|             |                    | गति<br>५६३    | सर्व                                                                             |
|             | State of the       |               |                                                                                  |

| -   |                             |                |                                                                                |
|-----|-----------------------------|----------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| 13  | निकेषल भवश्व<br>दर्शन में   | भागति<br>२४३   | १७६ छड़ी का ६४ जाति का देवता का<br>पर्याप्ता                                   |
|     |                             | गति<br>१३६     | सदी का                                                                         |
| ₹₩. | रम् समुचे अचनु<br>वर्शन में | भागति<br>३७१   | कपरवत्                                                                         |
| 7   |                             | गति<br>५५३     | सर्व ''                                                                        |
|     |                             | आगति<br>३७१    | ऊपरवत्                                                                         |
| 24  | १५ सविध दर्शन में           | गति<br>२'५२    | ६६ देवता १५ कमे मूमि ५ सकी विर्धेष<br>७ मारकी यर्च १२६ कर वर्षांसा<br>अपर्यासा |
|     | सुक्त वकेन्द्री में         | भागति<br>१३१   | कड़ी का                                                                        |
| -   |                             | गति<br>१४१     | रुद्दी का                                                                      |
|     | शहर परेन्द्री में           | भागति<br>२४३   | १०६ लड़ी का ६७ देवता                                                           |
| 3.  |                             | गति<br>१३६     | सप्री का                                                                       |
| 10  | संयोगी                      | भागति  <br>३७१ | <b>उ</b> शस्यन्                                                                |
|     | अणाहारिक .                  | गरि            |                                                                                |

( +34. )

| ą  |                          | भागति .                | स्तादर् .                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|----|--------------------------|------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|    | नेडस ु                   | 595                    | -                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|    | शासाय में                | पवि                    | सर्व                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|    |                          | 6.5                    | +34                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| _  |                          | भागति                  | (१) सुन्नी मनुष्य, ५ सुन्नी ५ व्यक्ती                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|    | देशे ग्रारीर             | ररर                    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| 1  | सूरका में                | गरि<br>ध               | १५ कोर्नेन, ५ छड़ी दृष्यी १ पानी २<br>सम्मति १ ९ २ छ। उर्चेत स्मर्गता<br>स्था छामान दिन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|    | ,                        | क्रायां है             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|    | ं समुचे के               | 131                    | <b>ट.राइन्</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| •  | इसंरम                    | हानि                   | क्रं                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| _  |                          | . 6/6                  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| ţ  | भौहारिक<br>इस्ति मे      | मार्गत<br>१८०<br>सन्दे | १६१ सहीका, ११ देवता इमानी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| •  |                          | 243                    | <b>ei</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|    | इस्ट हेस्टा              | 2. 8                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|    | इन्द्र देखाः<br>कार्य हो |                        | 1 2 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|    |                          |                        | ATE THE PER MAN WAS                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|    | कीर है।                  |                        |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| ij | •                        | gine had n             | The state of the s |
|    | ***                      | برشي                   | The same of the first                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |

| 4'1 | कापीत छैर्या<br>को कापीत में<br>जाये तो | भागति<br>३१६        | जपरयम् पण नारकी पहली दूजी तीजी<br>जाणी                                                                                       |
|-----|-----------------------------------------|---------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|     |                                         | गति<br>७५१          | ऊपरवन् (भारकी पहली से तीओं)                                                                                                  |
| સ્  | तेमू हेश्या की<br>वेजू में जाये<br>तो   | आगति<br>१३०         | ६४ जाति का देवता ८६ युगलिया का<br>वर्याता कोर १५ कमें मूक्ति, ५ सकी,<br>तिर्यक्ष का वर्याता अपयोजा                           |
|     |                                         | गति<br>३४३          | १०१ सन्त्री मनुन्य, ५ मधी, नियेश ६४<br>जाति वैयना का पर्यामा अपर्यामा पृष्टी,<br>अन्य, बनम्यति का अपर्यामा                   |
| 28  | रश की गय<br>केंद्र्या में जाये          | आगति<br>५३          | १५ कमें सूचि मनुष्य, ५ सन्ती निर्वेश की<br>पर्याना कार्यामा अवदेवेगक र पूर्वा<br>किन्यवि ६ देवलीक (परिला की) का<br>पर्यास    |
|     | กัง                                     | गनि<br><b>१</b> १   | १५ कमें मुचि ५ शती नियेश इ होता-<br>नित्रक ७ देवलीक, (भीते से) का वर्षाना<br>सर्वामा                                         |
| 76  | गुक्त क्षेत्रया को<br>गुक्त में जाये    | मागति<br><b>१</b> २ | १५ को मूर्ति ५ सार्व निर्वञ्च का वर्षात्र<br>शर्वाता ४० और २१ देवलोक (का<br>से सर्वात्र निकर्तादे) १ कल्विविक का<br>वर्षात्र |
| ,   | सी                                      | गरि<br>दक्ष         | १५ वर्ममूमि ५ सनी निर्वेश, ११ देश<br>कोक अपायन् १ सीमा कियेगीका<br>पर्याता मनुर्याना                                         |

दति पूजी गतागत की धीकड़ी ।

# ॥ ऋथ गणीगुण महिमा स्तवन ॥

#### ॥ राग वासावरी ॥

गणिन्द घारी सुरनायक जग गावै। ्र भवि निरम्व २ हुलसावै॥ ग॥ ए सांकडी॥ गण रिक्तिपाल गणेश गणाधिय। गणधर गच्छ-स्यमाभावे॥ भाचारज सूरी गणवत्सल, गणी युग-प्रधान कहावे॥ ग०॥ १॥ दःखमा अर्धी निरख शुद्ध गणी, चमर चमराधिष चावे। दरण सरस कर इरप २ भरि, कही २ सुयश वधावे॥ ग०॥ २॥ भेतिश्य महिमा वाक्य सुधासम, गुन चुन दाम बनावे। महावय कणीं मणि रयण पमीलक, पछेट भेट नहीं पावे॥ ग॰॥ ३॥ पथवा पूरण समरघ नांषि, पनन्त पना किम पावे। तव इसि इलनि विषद वचन रस, कर युगताल वजावे॥ ग०॥ ४॥ रिव सम • जीत . उद्योत ज्ञान मय, पद्धज भवि विकसाव । पाखगड़ी भुगड़ खगड़ २ घर्द्र कुल घुक लख जावे॥ ग 📲 ५ ॥ पड़ी तुभा चान्ति दान्ति रव जल-धर निर्जरः तास सरावे॥ नर नरइन्द्र छन्द सह मिल की चरना भीष नमावे॥ ग ।॥ ६॥ जयणायुत

सुक का, जो भवि नित गुण गावे । हिंद्व करिद सम-कित चारितनी, मिश्चत पाप पुलावे । ग॰ । ० ॥ गामच वीर पवर भिश्च की, चष्टम पाट गोभावे । श्रीकालु गची कल्पतक मस, सेवे मी फल पावे ॥ ग॰ ॥ ८ ॥ गुद्द गर्थने चगुत्रतथारी गुलाव गरक तुम्म चावे । चित चानन्द फन्ट चय सेटण, सुल सांकि सुल यावे ॥ ग० ॥ ८ ॥

॥ स्वामीजी श्रीमीखणजो के गुणोंकी दारु ॥

· स्वाम मांचा चहुत वाचा कड़ीरे ॥ ए चांकड़ी ॥

साम मिस् प्रगटिया जग माहि सौरति गई रे. शीवन सासा गिरवरो वर न्याय वातां सही रे, न्याम मांचा सट्मृत वाचा सही रे ॥ र ॥ पार्ग्स उत्तराध्यवन में इस भार पद्धम मही रे बिन बिना गित पंग रहती मंत तंत मही रे ॥ सहीरे ॥ न्यार ॥ २ ॥ मन्यत् पटारक सेपना पटे मृत संग हाह दहें रे, संस चुनिया माहि सारता ते प्रयास जीव मिनही रे ॥ मिनही रे ॥ खा ।। इ।। साम पारा सारण विकासको सर दक्षेरे। सद द्वि पीत उद्योत सरवा साम सूरव सक्षेरे।। सहोरे।। सा ।। ।। साम मिचु सम दिवा उनकीस पददह मही रे। दोहासर चीमास में वय सम कोरति पद्देरे।। यहेरे।। सा ।। ।।

र उति १

#### ॥ हाल ॥

भी बोरडी स्वामी हो मुतीबर काची भारती। (प्येती):

तुमपे वारी हो हं विद्यारी हो मिसु गुरो हारा नाम में !! कही सिहांत मधार !! वे भिहरा शह पाहार !! होष वयांतीस ठार !! तुमपे वारी हो !! हां !! भि• !! ए पांकडी !!

पंदमें पारे हो मुनोह्नर, पापन पदतरिया।
इर दिन भरत समार । तु। हां। मि। नाम
कंटाको हो। मु॥ सददर देश में, साह बल् सुखकार ॥ तु॥ हां। मि॥ पोस वंश नीको हो।। मु॥ तीखो केशरी, खप्त दिलोको सात ॥ तु॥ हां। मि। बननी यांरी हो। सु। दीयां दें भली, सुन सुक्रवेषा हात ॥ तु॥ हां। मि॥ २ ॥ सम्बर्ध

तीयामी हो ! मु । सतरह सह भनो, भाष लियो पनतार ॥ तु ॥ द्वः ॥ भि ॥ दक विष परकी हो ॥ मु ॥ संयम वित्त भयो, धया द्रव्य परागर ॥ त ॥ हं ॥ मि ॥ ३॥ जिनः वध बांचा हो।। मु ॥ राच्या न्नान में ॥ (तव) हांडि कुनुकर्नी मंग ॥ तु ॥ इं ॥ भि ॥ मत प्रष्टादम की ॥ मु॥ मतर मम्बत लियो भाव चरव चति चंग ॥ तु॥ इटं॥ भि ॥ ४ ॥ जीवत पर्मजस को ॥ सु ॥ पवतारच कन्नो ॥ कही विष सम चन्नत चाप । तु। 🕫 । भि । मैर्यासैयार्याको । सु । विल धंनुमोद्यां, तोनं करना पाप ॥ तु ॥ हं ॥ भि ॥ प्रा। पत्न धर्म का ॥ मृ॥ नहीं फल मारवा ॥ तिमं हित्र पाव कृपाव ॥ तु॥ है ॥ मि ॥ 'जै समदृष्टि की ॥ सृ ॥ कर इस पारला, बरतस् र्सयम जाच ॥ तु॥ छ ॥ भि ॥ ४ ॥ निर्यय करणी हो।। म्।। वही जिन पान में, मानदा पाना बार ॥ तु॥ इं॥ मि॥ द्या चतुकम्याक्षे । सु॥ भार्ती सह तती । सीह पनुक्रम्या निवार ॥ तु ॥ है। सि ॥ ७॥ जेहवी सारग हो।। स्॥ बीबीत-रागतीं तेरकी बतायी पाप ॥ तु ॥ हं ॥ मि ॥ ुगरम देवत हो ॥ स्⊲ विदु वी यब कशी ॥

दियो हिन्सा धर्म उत्थाप ॥ तु ॥ इं ॥ मि ॥ ८॥ पांच सुमित हो ॥ सु॰ ॥ पंच महावती, तीन सुप्त भल राह ॥ तु ॥ इं ॥ मि ॥ ए वयोद्य पालै हो । मु । तेरा पन्य में, जिव चातम सुख चाह ॥ तु ॥ हं ॥ मि ॥ ६॥ तप चप करी ने हो ॥ सु॰ ॥ चातम वय करी ॥ ताखा वह जन हन्द्र ॥ तु ॥ इं ॥ मि ॥ घटाद्य साठै हो । सु । घष्णण चित्त धरी, लहि सुर पद् सुख-कन्द्र ॥ तु ॥ हं ॥ मि ॥ १० ॥ मम्बत उगपीसे ही । सु । घड़मठ चैव में. सेटप घघद्च फन्ट ॥ तु ॥ हो ॥ मि ॥ घीकाच्याचित्र हो । सु । ताम प्रसाद धी रोलावचन्द्र सानन्द्र ॥ तु ॥ हो ॥ मि ॥ ११ ॥



